अषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष 20 वर्ष, अंक 209 पृष्ठ 8 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज से प्रकाशित

www.akhandbharatsandesh.net

नगर संस्करण प्रयागराज | शनिवार 24 जुलाई 2021

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

स्थायी सुख, शान्ति व निर्भय वातावरण के लिए "क्रियायोग अभ्यास करें" सत्य की अनुभूति में सभी प्रकार के क्लेश हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध कर दिया है कि क्रियायोग के द्वारा हम सत्य से जुड़ जाते हैं। ज्ञान, शक्ति, शान्ति, आनन्द, नाम-यश, धन आदि के लिए मनुष्य को दर-दर भटकना पड़ता है, और प्राप्त न होने पर मनुष्य में हिंसक प्रवृत्ति प्रकट होती है। क्रियायोग में भक्ति दृढ़ होने पर ज्ञान, शक्ति, शान्ति,आनन्द, धन आदि सब कुछ स्वयं मनुष्य के पास आ जाते हैं।

क्रियायोग प्राचीनतम् एवं नित्य नवीन पूर्ण विज्ञान है। ईश्वरीय नियमों के अनुसार कलिकाल में क्रियायोग का ज्ञान विलुप्त हो गया। आरोही द्वापर युग के आते ही मृत्युंजय अमर गुरु श्री महावतार बाबा जी द्वारा क्रियायोग को पुनर्जीवित कर पुनः परिष्कृत किया गया। उन्नीसवीं शताब्दी में महावतार बाबाजी ने क्रियायोग को लाहिड़ी महाशय जी के माध्यम से मानवजाति को दिया। क्रियायोग ही सनातन धर्म में वर्णित यज्ञ है। क्रियायोग ही वेदपाठ है। क्रियायोग अभ्यास से मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप "अहंब्रह्मास्मि" की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्

क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान

प्रयागराज

10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

यूपी और असम की तरह देशभर में लागू होगी

'दो बच्चा नीति'? मोदी सरकार का संसद में जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम और उत्तर प्रदेश जैसे बीजेपी शासित राज्यों में जनसंख्या नियंत्रण को लेकर बनाए जा रहे कानूनों के बीच बड़ा सवाल यह है कि क्या केंद्र सरकार पूरे देश में इस तरह की नीति को लागू करेगी? मोदी सरकार ने संसद में इसका जवाब दिया है। बीजेपी के ही एक सांसद की ओर से लोकसभा में पूछे गए सवाल के जवाब में स्वास्थ्य राज्य मंत्री भारती प्रवीण पवार ने शुक्रवार को कहा कि इस तरह के किसी प्रस्ताव पर विचार नहीं चल रहा है।

बीजेपी सांसद उदय प्रताप के सवाल का जवाब 'ना' में देते हुए मंत्री ने कहा, "अंतरराष्ट्रीय अनुभव

दिखाता है कि बच्चों की एक निश्चित संख्या के लिए कोई भी जबरदस्ती या फरमान का परिणाम प्रतिकूल होता है। इसकी वजह से जनसांख्यिकीय विकृतियां होती हैं, बेटों को प्राथमिकता देते हुए गर्भपात, बेटियों का परित्याग, यहां तक ??कि कन्या भ्रूण हत्या होती है।" लिखित जवाब में उन्होंने कहा कि अंततः इससे लिंगानुपात का संतुलन बिगड़ता है। मोदी सरकार में हाल ही में मंत्री बनाई गई पवार का यह बयान इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि असम और उत्तर प्रदेश में नई जनसंख्या नीति को लेकर बहस छिड़ी हुई है। बीजेपी शासित दोनों राज्यों में दो से अधिक बच्चों के माता-पिता को कई तरह की सुविधाओं से वंचित करने की तैयारी चल रही है। पवार ने यह भी कहा कि केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश जैसे कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने बिना सख्ती किए जनसंख्या को नियंत्रित करने में कामयाबी हासिल की है। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को कहा कि देश के 28 राज्य और केंद्रशासित प्रदेश 2.1 की प्रतिस्थापना स्तर की जन्मदर को हासिल कर चुके हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मंडाविया ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने यह भी कहा कि 2027 तक भारत की जनसंख्या 146.9 करोड़ होने का अनुमान है। मंडाविया ने जनसंख्या नियंत्रण के लिए सरकार की ओर से उठाए गए कदमों का उल्लेख करते हुए कहा, "वर्ष 2005-06 में जन्मदर 2.7 थी जो 2015-16 में घटकर 2.2 रह गई है...36 में से 28 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों ने 2.1 या इससे कम की जन्मदर को हासिल कर लिया है। मंत्री ने बताया कि किशोरावस्था में जन्मदर 16 प्रतिशत से घटकर 8 प्रतिशत रह गई है।

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह बोले- देश की इकॉनमी के लिए आ रहा है 1991 से भी मुश्किल वक्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने कहा है कि देश की इकॉनमी के लिए 1991 से भी मुश्किल वक्त आने वाला है। पूर्व पीएम और जानेमाने अर्थशास्त्री ने 1991 के ऐतिहासिक बजट के 30 साल पूरा होने के मौके पर शुक्रवार को कहा कि कोरोना महामारी के कारण पैदा हुए हालात के मद्देनजर आगे का रास्ता उस वक्त की तुलना में ज्यादा चुनौतीपूर्ण है और ऐसे में एक राष्ट्र के तौर पर भारत को अपनी प्राथमिकताओं को फिर से निर्धारित करना होगा। मनमोहन सिंह 1991 में नरसिंह राव की अगुवाई में बनी सरकार में वित्त मंत्री थे और 24 जुलाई, 1991 को अपना पहला बजट पेश किया था। इस बजट को देश में आर्थिक उदारीकरण की बुनियाद माना जाता है। उन्होंने उस बजट को पेश किए जाने के 30 साल पूरे होने के मौके पर कहा, "1991 में 30 साल पहले, कांग्रेस पार्टी ने भारत की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण सुधारों की शुरुआत की थी और देश की आर्थिक नीति के लिए एक नया मार्ग प्रशस्त किया था। पिछले तीन दशकों के दौरान विभिन्न सरकारों ने इस मार्ग का अनुसरण किया और देश की अर्थव्यवस्था तीन

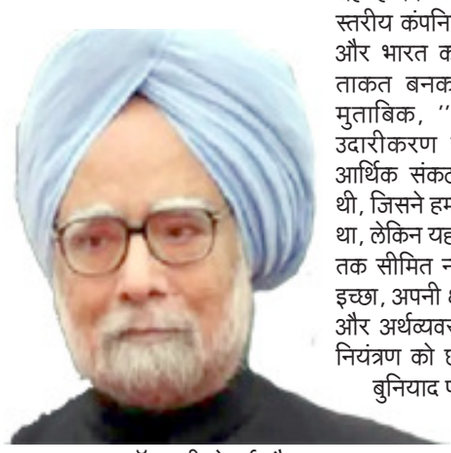

हजार अरब डॉलर की हो गई और यह दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है।

सिंह ने एक बयान में कहा, "अत्यंत महत्वपूर्ण बात यह है कि इस अवधि में करीब 30 करोड़ भारतीय नागरिक गरीबी से बाहर निकले और करोड़ों नई नौकरियों का सृजन हुआ। सुधारों की प्रक्रिया आगे बढ़ने से स्वतंत्र उपक्रमों की भावना शुरू हुई जिसका परिणाम यह है कि भारत में कई विश्व स्तरीय कंपनियां अस्तित्व में आईं और भारत कई क्षेत्रों में वैश्विक ताकत बनकर उभरा।" उनके मुताबिक, "1991 में आर्थिक उदारीकरण की शुरुआत उस आर्थिक संकट की वजह से हुई थी, जिसने हमारे देश को घेर रखा था, लेकिन यह सिर्फ संकट प्रबंधन तक सीमित नहीं था। समृद्धि की इच्छा, अपनी क्षमताओं में विश्वास और अर्थव्यवस्था पर सरकार के नियंत्रण को छोड़ने के भरोसे की बुनियाद पर भारत के आर्थिक सुधारों की इमारत खड़ी हुई।उन्होंने कहा, "मैं सौभाग्यशाली हूं कि मैंने कांग्रेस में कई साथियों के साथ मिलकर सुधारों की इस प्रक्रिया में भूमिका निभाई। इससे मुझे बहुत खुशी और गर्व की अनुभूति होती है कि पिछले तीन दशकों में हमारे देश ने शानदार आर्थिक प्रगति की।

पोनीग्राफी केस में शिल्पा शेट्टी तक पहुंची आंच, क्राइम ब्रान्च ने की पूछताछ, खातों पर भी नजर

मुंबई (एजेंसी)। पोनीग्राफी केस में कारोबारी राज कुंद्रा के फंसने के बाद अब आंच उनकी पतनी और अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी तक पहुंचती दिख रही है। मुंबई पुलिस ने शुक्रवार को शिल्पा शेट्टी से पूछताछ की। बताया जा रहा है कि शिल्पा शेट्टी को घर में पति राज कुंद्रा के सामने बिठाकर सवाल-जवाब किया गया। शिल्पा के बैंक खाते भी पुलिस की रडार पर है। मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रान्च इस बात की पड़ताल कर रही है कि पति के 'गंदे धंधे' में शिल्पा की कोई भूमिका है या नहीं।शिल्पा कुंद्रा की कंपनी वियान में डायरेक्टर रह चुकी है, जिसके तहत पोर्न फिल्मों का कारोबार चल रहा था। पुलिस अब शिल्पा शेट्टी से जानना चाहती है कि उन्हें पोर्न फिल्मों को लेकर जानकारी थी या नहीं। पुलिस सूत्रों का कहना है कि कुंद्रा की गिरफ्तारी के बाद कंपनी के सर्वर से डेटा डिलीट भी किया गया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और अन्य सबूतों के आधार पर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि डेटा किसने डिलीट किया। इस बीच मुंबई पुलिस सूत्रों ने बताया, जांच में पाया गया है कि प्लेप्ले ऐप्स के करीब 20

लाख सब्सक्राइबर्स थे। इसी ऐप पर अश्लील फिल्मों को अपलोड किया जा रहा था।इससे पहले राज कुंद्रा ने अश्लील फिल्मों के कारोबार के आरोप में गिरफ्तारी को बंबई उच्च न्यायालय में चुनौती दी है और कहा है कि इन वीडियो को "कामुक कहा जा सकता है लेकिन इनमें पूरी तरह यौन क्रिया नहीं दिखाई गई है।

परिवार के सात लोगों की हत्या करने वाली शबनम को फांसी से बचाने के लिए राज्यपाल को अर्जी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। अपने ही पूरे परिवार की बेरहमी से हत्या कर देने वाली शबनम को फांसी की सजा से बचाने के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट की महिला अधिवक्ता ने पहल की है। परिवार के सात लोगों को मौत के घाट उतारने वाली शबनम की फांसी माफ करने और उसे उम्रकैद में तब्दील करने के लिए अधिवक्ता सहर नकवी ने राज्यपाल आनंदी बेन पटेल को पत्र लिखा है।

पत्र में सहर नकवी ने शबनम की फांसी की सजा को मानवीय आधार पर उम्र कैद में बदले जाने की मांग की है। सहर नकवी की अर्जी में शबनम की फांसी को उम्र कैद में बदले जाने के लिए जो दलीलें दी गई हैं, उनमें सबसे प्रमुख यह है कि आजाद भारत में आज तक किसी भी महिला को फांसी नहीं

हुई है। इसके साथ ही जेल में जन्मे शबनम के 13 साल के बेटे के भविष्य को लेकर भी दुहाई दी गई है। सहर नकवी का कहना है कि शबनम को फांसी देना आजाद भारत में किसी महिला को फांसी देने का पहला वाकया होगा और यदि ऐसा होता है तो समूची दुनिया में भारत और यहां की महिलाओं की छवि खराब होगी, क्योंकि देश में महिलाओं को देवी की तरह पूजने व सम्मान देने की पुरानी परंपरा है। उनके मुताबिक वह शबनम के गुनाह या उसकी सजा को लेकर कोई सवाल नहीं खड़ी कर रही है, बल्कि यह चाहती है कि उसकी फांसी की सजा को सिर्फ उम्र कैद में तब्दील कर दिया जाए। अर्जी में यह भी दलील दी गई कि शबनम को फांसी दिए जाने से जेल में जन्मे उसके इकलौते बेटे ताज उर्फ बिट्टू पर गलत और नकारात्मक असर पड़ सकता है। शबनम को फांसी होने पर समाज उसके बेटे को हमेशा ताना मारेगा, उसका मजाक उड़ाएगा और उससे दूरी बना सकता है। इस वजह से बेटे का मानसिक विकास प्रभावित हो सकता और उसका भविष्य खराब हो सकता है। अर्जी में दलील दी गई है कि मां के गुनाहों की सजा उसके बेटे को मिलना कतई ठीक नहीं होगा।

GSTIN : 09AAFTM3349D1ZK PAN-AAFTM3349D
Reg. No.: 1/2014

मिसकीन सेवा संस्थान ट्रस्ट

Misqeen Sewa Sansthan Trust

(इण्डियन ट्रस्ट एक्ट 1882 केअन्तर्गत पंजीकृत)

श्रमिको, मजलूमों, गरीबों अनाथो के सेवा में तत्पर

फाउण्डर प्रबन्धकः अहद अहमद सिद्दीकी उर्फ शहजादे पत्रकार/ग्राम प्रधान अल्हवा कोरांव, प्रयागराज

कार्यालय : माण्डा वाली रोड, कोरांव–प्रयागराज,
निवास ग्राम–अल्हवा, देवघाट, कोरांव–प्रयागराज 212306

Mob.: 9450613192

E-mail: miskeenss2014@gmail.com, sahjadekoraon@gmail.com

ना सांसद, ना विधायक... फिर भी ममता बनर्जी बनीं टीएमसी संसदीय दल की नेता

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सांसद नहीं हैं। हाल ही में हुए पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में टीएमसी की भारी जीत के बावजूद वह नंदीग्राम से शुभेंदु अधिकारी से चुनाव हार गईं। हालांकि उन्होंने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। उन्हें छह महीने के भीतर किसी विधानसभा सीट से चुनाव जीतकर आना होगा। इस बीच दिल्ली में टीएमसी सांसदों ने ममता बनर्जी को पार्टी के संसदीय दल का अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव पास किया। लोकसभा में टीएमसी सांसदीय दल के नेता सुदीप बनर्जी, राज्यसभी में टीएमसी संसदीय दल के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने संसदीय दल की बैठक में प्रस्ताव पेश किया डेरेक ओ ब्रायन ने नई दिल्ली में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ङ्कसंकल्प को सर्वसम्मति से अपनाया गया और सभी टीएमसी सांसदों द्वारा हस्ताक्षर किया गया। कुछ सांसद, जो दिल्ली से बाहर थे, सोमवार को इस पर हस्ताक्षर करेंगे। वह टीएमसी की चेयरपर्सन थीं। उन्हें सर्वसम्मति से गुरुवार

से टीएमसी संसदीय दल के अध्यक्ष के रूप में भी चुना गया है।

भाजपा ने यह कहते हुए चुटकी ली कि यह पहले से तय था क्योंकि टीएमसी एक महिला की पार्टी है। पश्चिम बंगाल में भाजपा के प्रवक्ता समिक भट्टाचार्य ने कहा, ठयह एक स्पष्ट निणय्र है। टीएमसी एक महिला की पार्टी है और वह ममता बनर्जी हैं।ङ्क

टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी, जिन्हें पार्टी की विस्तार योजनाओं के प्रभारी के रूप में देखा जाता है, ने जून में घोषणा की थी कि वे 2024 के राष्ट्रीय चुनावों से पहले अन्य राज्यों में अपने आधार का विस्तार करने की योजना बना रहे हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता, कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने कहाः ङ्कआमतौर पर किसी पार्टी के संसदीय दल का नेता एक सांसद होता है। लेकिन कोई भी पार्टी कुछ भी कर सकती है, यह उनका फैसला है।ङ्क डेरेक ओ ब्रायन ने हालांकि कहाः ङ्कममता बनर्जी सात बार की सांसद हैं। उनके पास संसदीय दल का मार्गदर्शन करने का अनुभव, अंतर्दृष्टि, दूरदृष्टि और अनुभव है। वह ऐसा करती रही हैं और हम उनका मार्गदर्शन ले रहे थे। वह बस एक कॉल दूर थी।

नीति आयोग की दिल्ली सरकार को सलाह, कोविड-19 को लेकर सावधान रहें, अगले तीन महीने काफी महत्वपूर्ण

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीति आयोग के सदस्य वी. के. पॉल ने दिल्ली सरकार से कहा है कि सावधान रहें क्योंकि अगले तीन महीने काफी महत्वपूर्ण है और गतिविधियों को अनलॉक करने से कोरोना वायरस के मामलों में बढ़ोतरी हो सकती है। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) की नौ जुलाई को हुई बैठक में उन्होंने सुझाव दिए कि राजधानी में किसी भी तरह की यात्रा पाबंदियां लगाने से पहले दिल्ली सरकार केंद्र से संपर्क करे। डॉ. पॉल ने कहा कि अनलॉक करने की गतिविधियों से मामलों में बढ़ोतरी हो सकती है। हालांकि, फिलहाल संक्रमण दर सबसे कम है। 20 जुलाई को बैठक का ब्यौरा सार्वजनिक किया गया। नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) ने कहा कि अगले तीन महीने महत्वपूर्ण है, हमें सावधान रहने की जरूरत है। मुख्य सचिव विजय देव ने कोरोना वायरस के वैरिएंट डेल्टा प्लस की 12 राज्यों में मौजूदगी की बात कही और पूर्वोत्तर भारत में ज्यादा संक्रमण दर का जिक्र किया।

केसरवानी एण्ड सन्स

नोट- हमारे यहाँ मोबिल, पाइप, पेन्ट, सेनेट्री, हार्डवेयर, दरवाजा टाइल्स, समर सेबुल पम्प, चारा मशीन, बाथरूम फिटिंग इत्यादि उचित मूल्य पर प्राप्त करें।

अनुपम - 8318174147 अनमोल- 6388773491

जी0टी0 रोड, हनुमानगंज, प्रयागराज

Reg. No. U01400UP2021PTC147142 स्थापना वर्ष - 2021

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF CORPORATE AFFAIRS

शेषदुर्गा हर्बल प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड

अश्वगंधा अकरकरा

प्रयागराज के किसानो से आग्रह है कि सुनहरे भविष्य के लिए औषधीय पौधों की खेती करके अपनी आय चार गुना ज्यादा बनाने के लिए कम्पनी की सदस्यता ग्रहण करें।

फाउण्डर आर. पी. पाण्डेय LL.B

ग्राम–कबरा, पोस्ट–डीहा, तहसील–करछना, प्रयागराज
रजि. कार्यालय–868/5 कृष्णा नगर, अरैल, नैनी, प्रयागराज

Mob.: 9935613506

प्रकाश हॉस्पिटल

स्वास्थ सेवाओं के लिए 24 घंटे सेवा में तत्पर

निदेशक- डॉ. विजय बाबू यादव
(सदस्य जिला पंचायत)

Mob.: 8858487147

पता–भीरपुर करछना, प्रयागराज

सूफी आशिक बाबा

सभी समस्याओं का निःशुल्क समाधान के लिए संपर्क करें।

नोट : खोए हुए व्यक्ति को हर हाल में मिलाना, ऊपरी बाधा से परेशान और उसका निःशुल्क समाधान कराना, वैवाहिक जीवन में समस्त कष्टों को दूर कराना, जिन पुरुष व युवती की शादी में किसी प्रकार का कोई रुकावट आ रहा है तो, उसका भी समाधान किया जाता है सभी समस्याओं का समाधान समय से कर दिया जाता है 30 वर्षो का अनुभव प्राप्त।

पताः एडीए कॉलोनी, पुलिस चौकी के पास, नैनी, प्रयागराज
मोबाइल नंबरः 9793403230, 9335128224

प्रधान संघ : पुष्पराज सिंह अध्यक्ष, दिनेश मिश्र बने महामंत्री

भारी गहमागहमी के बीच सर्वसम्मति से हुआ प्रधान संघ का चुनाव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष के पद पर भी चार ग्राम प्रधानों का हुआ चुनाव

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़/प्रयागराज। यमुनापार के विकास खंड शंकरगढ़ में शुक्रवार को प्रधान संघ का चुनाव संपनन्‍ हुआ। इसमें सर्वसम्मति से पुष्पराज सिंह को अध्यक्ष और दिनेश मिश्र को महामंत्री चुना गया। इसके अलावा क्षेत्र के चार ग्राम प्रधानों को वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर चुना गया है। इस चुनाव को लेकर ब्लाक मुख्यालय पर सुबह से ही गहमागहमी बनी रही। इस मौके पर जिला व प्रदेश इकाई के पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

विकास खंड शंकरगढ़ में कुल 76 ग्राम प्रधान हैं।शुक्रवार को यहां के संघ के लिए सर्वसम्मति से चुनाव ब्लाक मुख्यालय पर संपनन्‍ करवाया गया। विकास खंड शंकरगढ़ के सभागार में आयोजित बैठक में पांच दर्जन से अधिक प्रधानों ने सहभागिता की। इस चुनाव को लेकर बढ़इया के प्रधान पुष्पराज सिंह और जूही के प्रधान दिनेश मिश्र के बीच काफी देर तक गहमागहमी देखने को मिली। दोनों ही अध्यक्ष पद चाहते थे। पर, काफी देर तक चली माथापच्ची और गहमागहमी के बीच क्षेत्र के प्रधानों ने बढ़इया के प्रधान को अपना अध्यक्ष चुना। जबकि जूही के प्रधान दिनेश मिश्र महामंत्री चुने गए। इसके अलावा कोषाध्यक्ष पद पर शैलेंद्र सिंह (चुंदवा), मीडिया प्रभारी गुलाब सिंह (पगुवार) और कार्यकारिणी सदस्य के रूप में डेरा की अनारकली, जरखोरी के विश्वंभरनाथ, भटपुरा के शंकरलाल पांडेय चुने गए।

सवर्सम्मति से हुए। इस चुनाव में चार प्रधानों को उपाध्यक्ष भी चुना गया है। इसमें नेवरिया प्रधान आशा सिंह, बिहरिया की विजयलक्ष्मी सिंह, गोल्हैया के मूलचंद्र, झंझरा चौबे के पृथ्वीराज साहू शामिल हैं। प्रधान संघ के चुनाव में अखिल भारतीय प्रधान संघ के प्रदेश सत्येंद्र त्रिपाठी, जिला प्रभारी सुरेशचंद्र तिवारी, मेजा के प्रधान संघ के अध्यक्ष शरणजीत भूतिया ने भी सहभागिता की। दोनों ने अध्यक्ष और महामंत्री को बधाई दी।

विकास खंड शंकरगढ़ के प्रधान संघ के पूर्व अध्यक्ष कामद प्रताप सिंह की अगुवाई में हुए इस चुनाव में प्रधानों ने अपने-अपने क्षेत्र की समस्याएं भी गिनाईं। अंत में बढ़इया प्रधान व संघ के अध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने कहा कि मेरा मुख्य मकसद प्रधानों के शोषण को खत्म करना है। मैं, हमेशा उनके हक की ल.ड़ाई लडूंगा। उन्होंने सहयोग और विश्वास के लिए क्षेत्र के सभी प्रधानों का आभार व्यक्त किया। कहा कि संघ की बैठक प्रत्येक माह आयोजित की जाएगी। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष अंजनीलाल, प्रधान शैलेंद्र सिंह, कामता सिंह, गुलाब सिंह, ज्ञानेंद्र मिश्र, परमेश्वर सिंह, दिवाकर सिंह, राघवेंद्र शुक्ल, श्यायमबाबू यादव, मूलचंद्र भारतीय, नारेंद्र सिंह, सोनिया देवी, अरविंद, शांति कुमार सिंह, राममिलन, विद्यापति सिंह, जीतलक्ष्मी, दिवाकर सिंह, बैजनाथ, महेश कुमार सिंह, क्षमा देवी, सुभाष कुमार, फैजान अहमद, शैलकुमारी, समरजीत यादव समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

विधायक ने पीएचसी का किया निरीक्षण ,गांवो में लगाई चौपाल

अखंड भारत संदेश

कोरॉव/प्रयागराज। विधायक राजमणि कोल ने ने मंगलवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लेडियारी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वहां पर मौजूद स्वास्थ्य सुविधाओं को देखा और जिम्मेदारों से वार्ता करके समस्याओं के निस्तारण का निर्देश दिया। निरीक्षण के बाद विधायक ने ऊंचगांव ,छापर, खीरी, लेडियारी, रतयोरा मोड़,टीकर,मझगवां सहित कई अन्य गांवो में चौपाल लगाई ।चौपाल के माध्यम से स्थानीय लोगों की समस्याओं को सुनते हुए विधायक ने उनके निस्तारण का आश्वासन दिया। विधायक द्वारा प्राथमिक विद्यालय टीकर मर्यादपुर में वृक्षारोपण भी किया गया। इस दौरान उनके साथ प्रमुख रूप से रामेश्वर द्विवेदी,बबुआन द्विवेदी, संजय सिंह पटेल ,श्याम बाबू केसरी ,सदानंद ,रामप्रवेश चौहान ,लक्ष्मण सिंह, राम भजन चौहान ,रघुवर चौहान, राम राज चौहान, राजेश चौहान, बृज मोहन चौहान, जटाशंकर मिश्र ,विधायक पीआरओ रामाश्रय शुक्ल सहित कई अन्य पदाधिकारी एवम कार्यकर्ता शामिल रहे ।

भिटरिया पेयजल योजना के भरोसे पानी केलिए तरस रहे हैं लोग

लो प्रेसर बनी समस्या आधा दर्जन गांव के लोग प्रभावित

अखंड भारत संदेश

करछना। विकास खंड करछना के ग्राम पंचायत भिटरिया घोडेडीह पेयजल योजना पूरी तरह से बंद सी हो गई है, वहा का जेई फरार हो गया कयी महिने से उसे चलाने के लिए एक प्राईवेट कर्मी कभी-कभी नलकूप चला देता है, बाकी के दिनों में नलकूप बंद रहता है ।

बता दे कि 2004 में इस पेयजल योजना को राज्य सभा सांसद कुवर रेवती रमण इसका शिलान्यास किया था, चालू होने के बाद कुछ वर्षों तक पास के गांव पिपराव, भीरपुर, लोहरी,घोडेडीह, सेवदिया, मझुआ, भटौली, सहित कई गांवों में विगत तीन महीने से पेयजल आपूर्ति पूरी तरह से बंद हो गई है

इस पेयजल योजना का लाभ लोगों को नहीं मिल पा रहा है ।पेयजल आपूर्ति ठप हो जाने से इस योजना पर निर्भर रहने वाले लोगों को बेहद कठिनाई का सामना करना पड रहा है ।भीषण गर्मी में लोग पानी केलिए तरस रहे हैं ।गांवो के लोगों ने समबन्धित उच्च अधिकारियों से अपील की है कि इसे तत्काल चालू कराकर पेयजल मुहैया कराने की मांग की है ।

क्रियायोग आश्रम में वैदिक रीति से आज मनाया जाएगा गुरु पूर्णिमा महोत्सव

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। झूंसी स्थित क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान में आज वैदिक रीति रिवाज से मनाया जाएगा गुरु पूर्णिमा महोत्सव, यह महोत्सव 17 जुलाई से 27 जुलाई तक मनाया जाएगा त् इस अवसर पर भारत के विभिनन्‍ देशों से आए लोगों के साथ साथ यू 0एस0 ए0, कनाडा यूरोप, ब्राजील, सिंगापुर, साउथ अफ्रीका, नेपाल आदि देशों से भी लोग आए हैं।

तथा गुरु पूर्णिमा महोत्सव के पूर्व संध्या पर आए हुए देश विदेश से साधकों को स्वामी श्री योगी सत्यम जी ने बताया कि सद्भावना- सद्विचार- सच्ची धारणा से गुरु की सेवा करने पर गुरु और शिष्य की दूरी समाप्त हो जाती है त् इस अवस्था में गुरु शिष्य एक हो जाते हैं, और उनके परम ब्रह्म के बीच दूरी अदृश्य हो जाती है त् ऐसी स्थिति में सभी प्रकार की शारीरिक बीमारियां मानसिक चिंताएं व अज्ञानता हमेशा के लिए समाप्त हो जाती है।

अपने गाँव का चहुंमुखी विकास कराना हर प्रधान का नैतिक दायित्व

अखंड भारत संदेश

जंघई। ग्राम सभा चनेथू की प्रधान आरती अमन पांडेय ने ग्राम सभा में खड़जा सड़क का निर्माण करवाते हुए कहा कि गाँव का चहुंमुखी विकास करना हर प्रधान का नैतिक दायित्व है।

गाँव में नाली, खड़ंजा सड़क, हैंडपंप का रिबोर, राशनकार्ड, समस्त पेंशन, शौचालय आदि की समस्याओं का निदान प्राथमिकता के आधार पर होगा। किसी भी जरुरतमंद को उनके अधिकार से वंचित नहीं होना पड़ेगा गाँव का सर्वांगीण एवं चहुंमुखी विकास करना ही हमारा उदेश्य है गाँव के समस्त नागरिकों की जन अपेक्षा पर खरी उतरूं यही मेरी प्राथमिकता है।

खड़ी ट्रेलर में ट्रक ने मारी टक्कर ट्रक चालक घायल

अखंड भारत संदेश

जारी/प्रयागराज। शुक्रवार की सुबह 6 बजे बारा थाना के अंतर्गत बारा मोड़ के पास खड़ी ट्रेलर में ट्रक ने मारी टक्कर ट्रक चालक अंचल यादव व खलासी रॉय यादव गम्भीर रूप से घायल हो गए निवासी मुबारक पुर थाना घोसी जिला कर्वी है घटना होते ही ग्रामीणों सूचना पर पहुँची पुलिस दोनों घायलों को नजदीक निजी हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया दोनो के पैर में गम्भीर चोटें आयी जहाँ इलाज चल रहा है

कारे मेघा पानी दे...

धान रोपाई हेतु पानी के इंतजार में किसान : डा. समीम

अखंड भारत संदेश

पसना/प्रयागराज। जुलाई महीने के उत्तरार्ध में धान की रोपाई हेतु अनन्दाता आसमान में बादलों की ओर ताकता बरसात का इंतजार कर रहा है।गौरतलब है कि 20 जून के आस-पास कोरांव क्षेत्र में झमाझम बारिस हुई थी,जिसके फलस्वरूप छोटे बड़े किसानों से धान की नर्सरी डाल दी थी,जिसकी पौध हफ्ते भर पूर्व से रोपाई हेतु तैयार है।लेकिन बादलों की आवाजाही के बीच बरसात न होने से किसान रोपाई नहीं कर पा रहा है,हालांकि बेलन नहर में एक सप्ताह पूर्व से पानी छोड़ा गया है लेकिन ऊंची और असिंचित जगहों

पर नहर के पानी की पहुंच न हो पाने से धान की रोपाई असम्भव है।वैसे भी जहां पानी की पहुंच है वहाँ भी तेज धूप के कारण मजदूर रोपाई से इनकार कर रहे हैं।पसना गांव के किसान सुभाष सिंह का कहना है कि पम्पसेट से खेत की भराई करने के बावजूद तेज धूप के कारण मजदूरों ने रोपाई से इनकार कर दिया। इसी तरह कोसफरा निवासी किसान अशोक सिंह का कहना है कि बेहन बड़ी हो जाने के कारण रोपाई में दिक्कत आ रही है।

जिन किसानों ने येन-केन प्रकारेण रोपाई कर भी ली है वो अब खेत में पानी सूखने को लेकर चिंतित हैं,और आसमान की ओर टकटकी लगाये हैं। पसना गांव के बड़े काश्तकार ज्ञानचंद पटेल ने बताया कि बरसात न होने के कारण धान की रोपाई में अब तक बीस हज़ार रुपए का डीजल खरीद चुके है,जिससे अतिरिक्त लागत का बोझ बढ़ रहा है।बरसात न होने के कारण कमरतोड़ मंहगाई के समय में किसानों को डीजल खरीदना भारी पड़ रहा है। कुल मिलाकर ठधान के कटोरेठके नाम से मशहूर कोरांव तहसील में आधे भूभाग पर भी धान की रोपाई नहीं हो सकी है,।देर से रोपाई के कारण फसल की पैदावार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है।

दर्शन कर लौट रही महिला की मार्ग दुर्घटना में हुई मौत, एक की हालत नाजुक

अखंड भारत संदेश

उतरांव। हंडिया थाना अंतर्गत बिझवनिया बीदा जीटी रोड पर बस की चपेट में आने से एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई। वही बाइक पर बैठी एक अन्य युवती गंभीर रूप से घायल हो गई सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया। बता दें कि बरौना गांव थाना उतराव निवासी लाल बहादुर जो बाहर रहकर मेहनत मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करता है । शुक्रवार को लाल बहादुर की पतने दीपिका 30 वर्ष जो अपने देवर अशोक के साथ अपनी बेटी अनामिका 9 माह की मुंडन कराने नीम्हारा मंदिर गयी थी। मुंडन करा कर घर लौट रही थी की 12:00 बजे के लगभग हडिंया थाना क्षेत्र के बींदा बिझवनिया मोड़ पर पहुंची थी कि प्रयागराज की तरफ से जा रही तेज रफ्तार बस पीछे से टक्कर मार दी जिसमें मोटरसाइकिल पर बैठी महिला

दीपिका बस के चक्के के नीचे जा गिरी। वही महिला को बस कुचलते हुए बनारस की तरफ ड्राइवर भाग निकला। सूचना पर स्पेक्टर बृजेश कुमार मय फोर्स के साथ पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं घायल यूवती को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। रितिका की एक बेटी और एक बेटा है। दीपिका के मौत से पति समेत घर के परिजनों का रो रो के बुरा हाल है।

ग्राम प्रधान व कोटेदार की बैठक आज

फूलपुर। आयुष्मान के सम्बन्ध में ग्राम प्रधान व कोटेदारों की संयुक्त बैठक आज फूलपुर विकास खण्ड में 11 बजे होगी। बैठक की अध्यक्षता उपजिलाधिकारी फूलपुर युवराज सिंह करेंगे।

कौंधियारा पुलिस ने वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

अपहरण छेड़खानी के मुकदमे में वांछित चल रहे शातिर अपराधी को कौंधियारा पुलिस ने भेजा जेल

अखंड भारत संदेश

जारी/ प्रयागराज। एसएसपी सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी के निर्देश पुलिस अधीक्षक यमुनापार सौरभ दीक्षित के मार्गदर्शन में पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या मु0अ0स0 158/2021 धारा 363 /366/354क /506 भादस व 7/ 8 पाक्सो एक्ट में वांछित अपराधियों आलोक मिश्रा पुत्र रामू उर्फ रामदयाल मिश्रा निवासी ग्राम आम्बा चलाए जा रहे अभियान के तहत कौंधियारा पुलिस द्वारा की गई बड़ी कार्रवाई अपहरण व छेड़खानी के मुकदमे में वांछित चल रहे शातिर अपराधी आलोक मिश्रा को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल।

काँग्रेसियो ने मनाई चंद्र शेखर आजाद की जयंती

करछना। कांग्रेस कार्यालय पर नागेश पाण्डेय उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में भारत के महान विभूति वीर सपूत स्वतंत्रता संग्राम सेनानी चन्द्र शेखर आज़ाद जी एवं बाल गंगाधर तिलक जी की जयंती मनाई गई। नागेश पाण्डेयङ श्री चन्द्रशेखर आज़ाद जी के इस गाथा को याद करते हुए कहा कि दुश्मनों की गोलियों का सामना हम करेंगे आजाद हैं, आजाद ही रहेंगे।ऐसी भावना को दिलों में संजो कर उनके बीर बलिदानों को याद किया। और उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पण किया गया।अर्पण करने वालों में सर्व श्री रंगराज सिंह, डॉ0 दिनेश कुमार सोनी,पी आर भट्टाचार्य,आशीष मिश्र,प्रकाश पाण्डेय, विद्याधर मिश्र,पदवेन्द्र झा, कौशलेंद्र गौड़ पवनेश कुमार सोनी,बेदान्दवेद,रजनी गौड़ इत्यादि लोग मौजूद रहे।

मऊआइमा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर सोशल डिस्टेंसिंग की उड़ाई जारही दज्जिया

अखंड भारत संदेश

मऊआइमा। मऊआइमा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र राम भरोसे चल रहा है । सब कुछ मनमाने ढंग से हो रहा है। कोरोना की तीसरी लहर के लिए सरकार तमाम तरह के इंतजाम करने में जुटी हुई है । वहीं इस अस्पताल के जिम्मेदार लापरवाह हो गए है जिस से अस्पताल में वैक्सीन लगवाने आने वाले लोग सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उडा रहे हैं।मऊआइमा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र राम भरोसे चल रहा है। यहां बिना मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग के लोग घूमते हुए मिल जाएंगे। अस्पताल के जिम्मेदार लापरवाह हो गए है। बताया जाता है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर कोई नियम कानून नहीं लागू होता है । सब अपनी मर्जी के मालिक है । आज देश की सरकार कोरोना की तीसरी लहर से डरी हुई है तथा इसके लिए हर तरह के इंतजाम कर रही है । परन्तु अस्पताल में कोरोना जैसे महामारी से लापरवाह चिकित्सक एवं कर्मचारी बिना मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग के घूमते मिल जाएंगें। यही नहीं मरीजों को भी न सोशल डिस्टेंसिंग एंव मास्क लगाने तथा कोरोना महामारी से बचाव का पालन नही कराया जा रहा है न ही अस्पताल के चिकित्सक ही इसका पालन कर रहे हैं । जिससे लोग सोशल डिस्टेंसिंग की पूरी तरह धज्जिया उड़ा रहे है।

एचटी लाइन के पोल पर खाक हो गया युवक

दूसरी घटना में लाइनमैन की हालत नाजुक, दो अलग-अलग स्थानों पर हुए हादसे

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़/ प्रयागराज। लापरवाही से एक ग्रामीण की उस समय मौत हो गई, जब हाईटेंशन लाइन के पोल पर चढ़कर तार जोड़ रहा था। इसी दौरान उपकेंद्र से सप्लाई चालू कर दी गई और पोल पर चढ़ा युवक वहीं जलकर खाक हो गया।

इसी तरह का एक अन्य हादसा हुआ है, जिसमें संविदा प्राइवेट लाइनमैन की हालत नाजुक बताई जा रही है। दोनों हादसे विद्युत उपकेंद्र शंकरगढ़ से जुड़े हुए है।पहला हादसा बारा थाना क्षेत्र के सोनवर्षा के मजरा गजा का पुरवा में हुआ है। बताया जाता है कि यहां पर एचटी लाइन का तार टूट गया था। ग्रामीणों के मुताबिक लाइनमैन की मनमानी से परेशान लोगों ने उपकेंद्र पर फोन कर ब्रेकडाउन लिया और गांव के युवक सोनू सिंह (32) पुत्र भोला को तार जोड़ने के लिए चढ़ा दिया। बताया जाता है कि सोनू सिंह तार जोड़कर नीचे उतर पाता, इससे पहले ही उपकेंद्र से लाइन चालू कर दी गई और सोनू सिंह पोल पर ही जलकर खाक हो गया। ग्रामीणों की आंखों के सामने हुए इस हादसे से लोगों में काफी रोष है। लोगों का कहना है कि विद्युत विभाग के लाइनमैन समय पर काम नहीं करते और यदि आते भी है तो इतना पैसा मांगते है कि उसे दे पाना मुश्किल हो जाता है। इसी परेशानी से बचने के लिए सोनू सिंह पोल पर तार जोड़ने के लिए चढ़ा था। फिलहाल शाम को हुई इस हादसे की सूचना पुलिस को दी गई है। मौके पर अफरातफरी का आलम बना हुआ था। जबकि दूसरा हादसा विद्युत उपकेंद्र शंकरगढ़ के जूही फीडर पर हुआ। जानकारी के मुताबिक विद्युत उपकेंद्र शंकरगढ़ में पंकज सिंह (24), प्राइवेट लाइनमैन के तौर पर कार्य करता है। बताया जाता है कि शाम तकरीबन छह बजे वह फाल्ट ठीक करने के लिए नौढ़िया उपरहार गांव में गया था।

यह लाइन जूही फीडर से जुड़ी हुई है। फाल्ट ठीक करने के लिए पंकज सिंह 11 हजार वोल्ट की लाइन के पोल पर चढ़ गया और काम करने लगा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कार्य के दौरान ही अचानक सप्लाई चालू हो गई और पोल पर चढ़ा पंकज सिंह एक झटके में नीचे आ गिरा। स्थानीय लोगों ने तत्काल मामले की जानकारी विद्युत विभाग को दी। मौके पर पहुंचे जेई सुनील कुमार सिंह गंभीर रूप से झुलसे पंकज सिंह को लेकर शिवराजपुर में स्थित एक निजी अस्पताल पहुंचे, जहां उसका प्राथमिक उपचार किया गया, इसके बाद उसे एसआरएन के लिए रेफर कर दिया गया। जेई ने बताया कि लाइनमैन पंकज सिंह की हालत नाजुक बताई जा रही है।

प्राथमिक विद्यालय में विद्युतीकरण कराने की प्रधान की मांग,शिकायत

कोरांव क्षेत्र के दर्शनी गाँव के विद्यालाय में नही दौड़ी बिजली

अखंड भारत संदेश

रत्योरा/प्रयागराज। केन्द्र व प्रदेश सरकार भले ही विधुतीकरण को लेकर पूरा जोर दिया है कि प्रत्येक गांव के विद्यालयों में बिजली पहुँचे ।जिससे पढ़ने वाले बच्चे व शिक्षक को गर्मी से निजात मिल सके।

किन्तु विभागीय जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही के चलते आज भी कोरांव क्षेत्र के कुछ विद्यालयों में विधुतीकरण न होने से ग्राम प्रधान ने तहसील दिवस में शिकायत दर्ज कराया उसको बावजूद भी अधिकारियों के द्वारा हीलाहवाली करते चले आ रहे हैं।मामला विकास खण्ड कोरांव के प्राथमिक विद्यालय दर्शनी गाँव का है।जहाँ की गाँव की बस्तियों में विधुतीकरण हुआ है।किन्तु विद्यालय में विधुत विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों के द्वारा स्कूल को वंचित कर दिया गया।जिससे उमस भरी गर्मी को लेकर बच्चों व शिक्षकों को भुगतना पड़ रहा है।

प्रधान दिनेश कुमार यादव ने तहसील दिवस पर कई बार विधुतीकरण विद्यालय में कराने के लिए शिकायत दर्ज कराई किन्तु जिम्मेदार अधिकारी की लापरवाही के बदौलत अभी तक प्राथमिक विद्यालय में बिजली नही पहुँची।प्रधान दिनेश ने बताया कि गाँव में विधुतीकरण हुआ है।लेकिन जहाँ से बच्चों की भविष्य बननी है ।वहाँ पर विभागीय अधिकारियों की तानाशाही की वजह से बिजली का कार्य नही जा रहा है।कई बार विभागीय अधिकारियों से कई बार लगवाने की बात रखी ।किन्तु जिम्मेदार अधिकारी इतना कहते हुए अपना पल्ला झाड़ लेते हैं कि रिपोर्ट भेज दिया गया है। आदेश आयेगा तो विद्यालय में बिजली लग दी जाएगी ।प्रधान ने जिलाधिकारी प्रयागराज का ध्यान आकर्षित कराते हुए विद्यालय में विधुतीकरण करवाने की मांग की है।जिससे स्कूल बच्चों को गर्मी से निजात मिल सके।

अच्छे स्वास्थ्य के लिए पौधारोपण जरूरी

अखंड भारत संदेश

सहसों। क्षेत्र के पाली गांव में ग्रामीणों ने पीपल, नीम, बरगद, आम आदि विभिनन प्रजाति के एक दर्जन से अधिक पौधे रोपित कर उनकी सुरक्षा के लिए बांस का सुरक्षा कवच के साथ पौध रोपित किए गए। पौधारोपण के समय आचार्य ओम प्रकाश शास्त्री ने बताया कि मानव जीवन के लिए अच्छे स्वास्थ्य को बनाने के लिए हर व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधे रोपित करना चाहिए। जिससे हर व्यक्ति को उत्तम शुद्ध ऑक्सीजन स्वास्थ्य तथा शुद्ध पर्यावरण मिलता रहे। आचार्य ने कहा कि पौराणिक काल से धर्म ग्रंथों में ही पीपल बरगद के पौधों का बहुत ही अधिकाधिक एवं सामाजिक महत्व है। उन्होंने कहा सनातन धर्मावलंबी को शनिवार

के दिन अपनी सुख समृद्धि एवं शांति के लिए पीपल के वृक्ष में शनिवार को सुबह जलाभिषेक एवं सायंकाल दीपदान जरूर करते रहना चाहिए। इस अवसर पर पंडित राममूर्ति मिश्र ,आनंद मिश्र , सहित अन्य ग्रामीण शामिल रहे।

अधिवक्ता सभा समारोह में सम्मानित हुए शहादत अली

शुक्रवार को सपाइयों ने रखा स्वागत समारोह

अखंड भारत संदेश

कोरांव/प्रयागराज। शुक्रवार को समाजवादी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर प्रयागराज जनपद के जार्जटाउन समाजवादी पार्टी के कार्यालय में अधिवक्ता सभा की गोष्ठी कर कोरांव के प्रदेश सचिव लोहिया वाहिनी शहादत अली को सम्मानित किया गया। जिस पर समाजवादी पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए खुशी जाहिर की। शहादत अली को सम्मानित किए जाने पर प्रमुख रूप से कई समाजवादी पदाधिकारी देखे

गए जिनमें प्रमुख रूप से हीरामणि पटेल , जिला अध्यक्ष योगेश चंद्र यादव , जिला अध्यक्ष राम सुमेर पाल , जिला अध्यक्ष अनिल यादव , महामंत्री नेत्री कमला यादव ,प्रदेश उपाध्यक्ष यथार्थ केसरवानी , प्रदेश प्रदेश सचिव के द्वारा अधिवक्ता सभा में उपस्थित सभी अधिवक्ताओं का सम्मान किया गया। सम्मानित सभी अधिवक्ताओं ने समाजवादी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।

ग्रामीणो ने कोटेदार के खिलाफ़ एसडीएम करछना से की शिकायत

करछना। विकास खंड करछना के ग्राम पंचायत बबुरा में कोटेदार ने जून माह में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण खादयानन योजना का वितरण किये जाने वाले अनाज, गेहूँ, चावल का वितरण नही किया है, जिसको लेकर बड़ी संख्या में लोग उपजिलाअधिकारी करछना विनोद कुमार पाण्डेय से शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया है कि गांव का कोटेदार पुष्प राज सिंह ने सरकारी खादयानन वितरण में घोर अनियमितता बर्ताव कर रहा है, आरोपित किया कि ग्रामीणो से फिंगर लगवाने के बाद उन्हे खादयानन नहीं देता, और मागने पर धमकियॉ देता है ।ग्रामीणो ने उक्त कोटेदार के खिलाफ़ कारवाई करते हुए निलम्बित करने की मांग की है ।शिकायत करने वालों में, कमला शंकर यादव, शिव लखन, किरन देवी, मीना कुमारी, प्रशान्त कुमार सहित दर्शन भर लोग शामिल रहे ।

गैंगस्टर के दो आरोपियों के घर चस्पा की गई 82 की नोटिस, पुलिस ने करवाई मुनादी

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़/प्रयागराज। अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे आपरेशन के क्रम में पुलिस ने गैंगस्टर के दो आरोपियों के खिलाफ सीआरपीसी की धारा 82 के तहत कार्यवाही की। मुकामी पुलिस ने मुनादी करवाते हुए दोनों आरोपियों के घर नोटिस चस्पा करवाई। एसओ का कहना है कि उक्त आरोपीगण लंबे समय से फरारी काट रहे हैं। धारा 82 के तहत कार्यवाही की गई। नियत समय पर आगे की विधिक कार्यवाही की जाएगी।यह मामला यमुनापार के शंकरगढ़ थाना क्षेत्र का है। एसओ कुलदीप कुमार तिवारी ने बताया कि गैंगस्टर एक्ट के आरोपी शनी भारतीया पुत्र रंगलाल भारतीया (निवासी कांटी, थाना घूरपुर) और इंद्रेश पटेल पुत्र रामानंद पटेल (ग्राम कांटी, थाना घूरपुर, मूलपता बादलगंज, घूरपुर) के खिलाफ धारा 82 के तहत कार्यवाही की गई है। बताया कि न्यायालय के आदेशपर की गई कार्यवाही के तहत आरोपियों के गांव में मुनादी करवाई गई, इसके शनी भारतीया पुत्र रंगलाल भारतीया के घर पर शिवसागर पुत्र संगमलाल, शोभनाथ पुत्र स्व. पुरुषोत्तम (निवासी कांटी, घूरपुर) के समक्ष नोटिस चस्पा की गई। इसी तरह दूसरे आरोपी इंद्रेश पटेल पुत्र रामानंद पटेल के मूल निवास (बादलगंज) पर भी नोटिस चस्पा की गई।

नियमों के उल्लंघन पर दो ट्रक सीज

यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर पुलिस ने दो ट्रकों को सीज कर दिया है। यह कार्यवाही शंकरगढ़ पुलिस ने की है। एसओ कुलदीप कुमार ने बताया कि वाहनों की चेकिंग के दौरान दो ट्रकों को चेक किया गया। यातायात नियमों के उल्लंघन के मामले में दोनों ट्रक वाहन संख्या यूपी70-जीटी-4437 (चालक रंग बहादुर पुत्र छोटेलाल सिंह, निवासी चांदपुर, फतनपुर, प्रतापगढ़) और यूपी70-जेटी-0986 (चालक विनय कुमार पुत्र शंभूनाथ (निवासी 601-1ए-27-2बी, मीरापुर, अतरसुइया) को सीज किया गया है। यह कार्यवाही एसआई अवनेंद्र सिंह और एसआई अरविंद कुमार यादव ने की है।

प्रधानों के हक व गांवों के विकास की लड़ाई हमारा पहला कर्तव्य-दिनेश मिश्रा

अखंड भारत संदेश

नारीबारी। विकासखंड शंकरगढ़ के प्रधानों के संगठन का चुनाव सम्पनन हुआ जिसमें अध्यक्ष पद पर पुष्पराज सिंह व महासचिव पद पर नारीबारी क्षेत्र के जूही के प्रधान दिनेश मिश्रा को निर्वाचित किया गया इसके साथ अन्य पदाधिकारियों का भी निर्वाचन किया गया दिनेश मिश्रा प्रधान जूही के महासचिव निर्वाचित होने पर क्षेत्रीय प्रधानों ने बधाई दी है और खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि हम प्रधानों के हक की लड़ाई व ग्राम पंचायतों का विकास दिनेश मिश्रा महासचिव व अध्यक्ष पुष्पराज सिंह के नेतृत्व में विकास की ऊंचाइयों की चोटी को छुए गा बधाई देने वालों में प्रमुख रुप से विशंभर मिश्र प्रधान जड़खोरी, संतोष सिंह प्रधान मवैया, राघवेंद्र शुक्ल व छपरी देवी प्रधान नारीबारी, राजेश केशरवानी, रमेश तिवारी, पृथ्वीराज साहू प्रधान झंझरा, दिवाकर सिंह प्रधान बनबिहरियां आदि प्रमुख रूप से सम्मिलित रहें।

कैप्टन करन सिंह ने पाई पाई की मोहताज विधवा के भरण पोषण कि जिम्मेदारी ली

अखंड भारत संदेश

जंघई/प्रतापपुर। क्षेत्र के पूरे विक्रम शाह गाँव कि एक विधवा जिनके पति का निधन 18 जुलाई को हो गया था वह उसके बच्चे दाने दाने के लिए मोहताज थे।इसकी जानकारी समाजसेवी एवं पूर्व प्रत्याशी विधानसभा प्रतापपुर अपना दल भाजपा गठबंधन कैप्टन करन सिंह को हुई तो उन्होंने अपने समर्थकों को विधवा के घर भेजकर दैनिक उपयोगी गृहस्थी का सामान भेजवाया और उनके चारों बच्चों कि देखभाल की जिम्मेदारी भी लिया और आश्वासन दिया कि विधवा के परिवार के भरण पोषण एवं प्रत्येक समस्या कि जिम्मेदारी मै स्वयं लेता हूँ ।करन सिंह के इस सहृदयता भरे निणय कि क्षेत्र में भूरि भूरि प्रसंशा हो रही है।

सात दिवसीय भूगर्भ जल दिवस का हुआ समापन

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। श्रम जीवी सेवा समित संस्थान के तत्वाधान में बरोत क्षेत्र में संपनन हुआ सात दिवसीय भूगर्भ जल दिवस के समापन समारोह में संस्थान सचिव श्री लालजी सिंह ने कहा की जल ही जीवन है इसको बचाने के लिए हम सबको आगे आना होगा संस्थान द्वारा गोष्टी सेमिनार नुक्कड़ नाटक और लोक कला के माध्यम से जागरूकता अभियान बड़े पैमाने पर चलाया गया जो शत-प्रतिशत सफल रहा जल की आवश्यकता दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। खादयानन उत्पादन में जल की आवश्यकता 3 गुना बढ़ गया है हमारे कई क्षेत्र ड्राई जोन में तब्दील हो गए है डाई जोन वाले क्षेत्रों में भूगर्भ जल लगभग 10 से 15 फीट नीचे खिसक गया है डाई जोन में जल निकासी के लिए प्रतिबंधित किया गया है आज हमारे देश में 70 वर्षों में 70 हजार से ज्यादा तालाबों का नामोनिशान समाप्त हो गया है जो भूगर्भ रिचार्ज के अच्छे मित्र हुआ करते थे इसी कड़ी में संतलाल निर्देशक ने कहा

कि आज प्राकृतिक संपदा जल के लिए हम लोगों को मंथन करना है त् जल के संपूर्ण भंडारण का 3 प्रतिशत ही पीने लायक है इसमें आर्सेनिक फ्लोराइड एवं अन्य हानिकारक तत्व पानी में घुलनशील के रूम में जीव धारियों के शरीर एवं पेड़ पौधों के जड़ों द्वारा तने फलों में किसी न किसी रूप में पहुंच कर मानव श्रृंखला को अव्यवस्थित कर रहा है भूगर्भ रिचार्ज में गुणवत्ता को सुधारते हुए नदियों की शुद्धता को हासिल करना है इसी कड़ी में संजय कुमार प्रोग्राम अफसर ने कहा की भूजल द्वारा नदियों का पानी शुद्ध होगा नदियों के किनारे हमारी सभ्यता रची एवं बसी है जहां पर आबादी में बेतहासा बढोत्तरी हुआ इसी मानव आबादी ने अपने कूड़े कचरे एवं गंदे पानी की जिम्मेदारी नदियों पर डाल रखा है नदियां बेबस होकर मानव उत्पाद को धोने के लिए बरबस अपने आप को असहाय पा रही है समस्त जीव धारियों में मानव ऐसा समूह है जो प्राकृतिक रूप रेखा को बिगाड़ने का जिम्मेदार है अंत में इसी कड़ी में उमा चरण कामता प्रसाद राधेश्याम श्याम बिहारी वकील चंद राजकुमार हरि ओम जय लाल प्रजापत दीनानाथ यादव ने बारी बारी से अपने विचार रखे अंत में संस्थान अध्यक्ष सत्य राज ने आए हुए ग्रामीण जनता का आभार प्रकट करते हुए जल बचत का शपथ ग्रहण करते हुए अपील किया कि आज से जल प्रबंधन एवं संरक्षण का शुभारंभ करना है।

'शहीद चंद्रशेखर आजाद का शहीद स्थल किसी तीर्थस्थल से कम नहीं'

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़/प्रयागराज। अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद और बाल गंगाधर तिलक की जयंती शुक्रवार को धूमधाम के साथ मनाई गई। यमुनापार के परिषदीय विद्यालय कठहा बेनीपुर-शंकरगढ़ में ग्राम प्रधान ज्ञानेंद्र मिश्र की अध्यक्षता में जयंती समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के चीफ गेस्ट ऑल इंडिया रेडियो के कार्यक्रम अधिकारी आशीष चतुर्वेदी और विशिष्ट अतिथि समाजसेवी मनोज श्रीवास्तव ने

परिषदीय विद्यायालय में मनाई गई चंद्रशेखर आजाद और बालगंगाधर तिलक की जयंती

शहीद चंद्रशेखर आजाद और बाल गंगाधर तिलक के चित्र पर पुष्प अर्पित कर पुष्पांजलि दी।

मुख्य अतिथि ने कहा कि चन्द्रशेखर आजाद की शहीद स्थली आज तीर्थस्थल बन गयी है। ऐसे शहीदों को हमें याद करना चाहिए और उनके जीवन-दर्शन से प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने विद्यालय में ऑल इंडिया रेडियो की तरफ से ग्राम प्रधान सहित कुछ युवाओं के लिए कार्यक्रम करने को कहा और विद्यालय के बच्चों द्वारा ऑल इंडिया रेडियो से कुछ कार्यक्रम भी प्रसारित करने की पेशकश की। विशिष्ट अतिथि मनोज श्रीवास्तव ने चंद्रशेखर आजाद एवं बाल गंगाधर तिलक पर आधारित अनेक संस्मरण को स्मरण करते हुए कहा की हमें शहीदों के जीवन से बच्चों को परिचित कराना चाहिए। कोविड प्रोटोकाल के कारण चीफ गेस्ट व विशिष्ट अतिथ ने इस आयोजन में वर्चुअली भाग लिया। अध्यक्षीय उद्बोधन में ग्राम प्रधान ज्ञानेंद्र मिश्र ने कहा की चंद्रशेखर आजाद भारत माता के सच्चे सपूत थे। उन्होंने विद्यालय में इस तरह के कार्यक्रम करवाते रहने का आश्वासन दिया। अंत में डॉ अरुण कुमार त्रिपाठी ने सभी अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा की शहीदों के जन्मदिवस पर विद्यालय में कार्यक्रम होते रहेंगे। इससे बच्चों का ज्ञानवर्धन होगा। कार्यक्रम में शारदा, राकेश प्रजापति, शिवबली, दिलीप सिंह, मिथिलेश कुमारी, मालती, श्यामकली सहित अनेक ग्रामवासी तथा अभिभावक उपस्थित थे।

करछना में अधिवक्ताओं एवं एसडीएम की वार्ता असफल

हड़ताल के चलते अधिवक्ताओं ने तहसील दफ्तरों में की ताला बंदी

अखंड भारत संदेश

करछना। बार एशोसिएशन करछना की एक बैठक शुक्रवार को तहसील परिसर में हुई।इस दौरान जुटे अधिवक्ताओं का एक प्रतिनिधि मण्डल जरूरी मांगों और मुद्धो को लेकर एसडीएम से वार्ता भी की।

जिसपर 17 सूत्रीय मागो को लेकर एसडीएम द्वारा आश्वासन दिया गया।जिसमे नैनी मे तैनात दो लेखपालो के तबादले के लिए एक माह का समय मागे जाने और धारा 38,183 की फाइले को लबित न कर उसका समय से निस्तारण किया जाए।जिसे वार्ता के क्रम मे बार एशोसिएशन की बैठक बुलाई गई।

जिसमे सगठन और वरिष्ठ अधिवक्ताओ ने लेखपालो का तत्काल तबादला करने और लबित मागो को गभीरता से अमल किया न कि केवल आश्वसन देकर अधिवक्ताओ के साथ टाल मटोल किया जाता जिससे फरियादी भी परेशान हो रहे है।

इस दौरान बार के अध्यक्ष चिन्तामणि शुक्ल और महामंत्री हंसराज सिंह ने कहा कि सोमवार तक यदि लेखपालो का तबादला न हुआ तो हडताल को नही खत्म किया जाएगा और आगे बढाया जाएगा। बैठक के दौरान बार के उपाध्यक्ष अभिषेक सिह राकेश शुक्ल रमेश द्विवेदी,हरिमोहन मिश्रा,डीआर सिह शिवेन्द्र सिह, केके पाण्डेय,राजेन्द्र पाडेय,यादव प्रसाद पटेल,कृष्णराज सिह इन्द्रमणि सिह,एमपी सिह,अमित सिह आदि पदाधिकारियों और बड़ी संख्या में वकील मौजूद रहे।

पिकअप-बाइक टक्कर में एक छात्रा की मौत, दो घायल

अखंड भारत संदेश

सिरसा/मेजा। प्रयागराज भाई के साथ परीक्षा देने जा रही दो सहेलियों का दोहथा (माण्डा) मोड़ के पास सामने से आ रही अनियंत्रित पिकअप से जोरदार टक्कर हो गई, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गई।

गम्भीर हालत में हास्पिटल ले जाते समय एक की मौत हो गई जबकि एक गंभीर रूप से चुटहिल हो गई। मिली जानकारी के अनुसार मेजा थाना क्षेत्र के मेजा

खास की राबिया (22) पुत्री मजिद अली उर्फ बलिस्टर व उसकी पड़ोस की सहेली शालिनी शर्मा पुत्री स्व अमर बहादुर उर्फ बड़े के साथ सनतक की परीक्षा देने मांडा जा रही थी। जैसे ही दोहथा मोड़ के पास पहुंची थीं कि सामने से आ रही पिकअप से जोरदार टक्कर हो गई। जिसमे दोनों सहेलियां घायल हो गई। जिन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मेजा ले जाया गया। राबिया की हालत गंभीर देख डाक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया जहां रास्ते मे राबिया ने दम तोड़ दिया। वहीं शालिनी शर्मा को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया। बाइक चालक शालिनी के बड़े भाई को भी मामूली चोटें आई हैं। वहीं राबिया की मौत से परिजनों मे कोहराम मच गया। टक्कर के बाद पिकअप भागने में सफल रही। इस दुर्घटना से लीगो में भय बना है।

एक सप्ताह से फुंका ट्रांसफार्मर गांव में छाया अंधेरा

अखंड भारत संदेश

जारी/प्रयागराज। जारी क्षेत्र के कटरा गांव में एक सप्ताह से 100 केवीए का ट्रांसफार्मर फुंका हुआ है फूंकने से लोगो के घरों में सप्लाई का पानी न आने से पीने के पानी के लिए लोग दर दर भटक रहे है लोग अंधरे में रहने को मजबूर है ग्रामीणों के कई बार शिकायत करने बाद भी अभी तक ट्रांसफार्मर नही बदला गया स्थानीय लोगो ने विभागीय अधिकारियों से जल्द जल्द ट्रान्सफार्मर बदलवाने की माँग की हैं।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं. UPHIN 2001/9025

राजकीय मेडिकल कालेज के उद्घाटन समारोह की तैयारी में जुटे कर्मचारी

तैयारियां लगभग पूर्ण, गाइडलाइन का इंतजारः प्राचार्य

प्रतापगढ़। नगर से चार किमी दूर पूरेकेशव गांव में नवनिर्मित स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय (राजकीय मेडिकल कालेज) का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आगामी 30 जुलाई को वर्चुअली किये जाने की सूचना से मेडिकल कालेज के कर्मचारियों में खुशी है। वह कोरोना गाइडलाइनों के चलते इस उद्घाटन समारोह को संक्षित एवं आकर्ष बनाने में जुटे हैं।

मेडिकल कालेज के प्राचार्य डा0 आर्य देश दीपक का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 30 जुलाई को सिद्धार्थ नगर में एक साथ नौ राजकीय मेडिकल कालेज का उद्घाटन करेंगे। इसके लिये शासन से अभी निर्देश नहीं मिला है। वहां के निर्देश के अनुसार उद्घाटन समारोह आयोजित किया जाएगा। बता दें कि स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय लगभग तैयार हो गया है। यहां प्राचार्य के रुप में आर्य देश दीपक तथा 74 चिकित्सक कार्यभार ग्रहण कर चुके हैं। इनमें से ज्यादातर पूरे केशवराय में नवनिर्मित स्वशासी राज्य

चिकित्सा महाविद्यालय के परिसर में बने नवनिर्मित भवन में रहते हैं। मेडिकल कालेज के छात्र-छात्राओं का प्रवेश नीट के माध्यम से होना है, तब तक सभी चिकित्सक बारी-बारी से शहर में मेडिकल कालेज से सम्बद्ध जिला चिकित्सालय व महिला चिकित्सालय में बैठने लगे हैं। प्राचार्य स्वयं भी शहर के दोनों अस्पतालों की स्थिति को बेहतर बनाने का भरसक प्रयास कर रहे हैं। 30 जुलाई को पूरे केशवराय में नवनिर्मित भवन का उद्घाटन समारोह मीटिंग हाल में करने की तैयारी की जा रही है। शुक्रवार को यह संवाददाता तैयारियों का जायजा लेने मेडिकल कालेज पहुंचा तो वहां कार्यक्रम की तैयारी में लगे नवीन मिश्रा से मुलाकात हुई। पूरे मेडिकल कालेज परिसर में पौधरोपण किया गया है। कवर एरिया को भी गमलों के पौधों से सजाया गया है।

श्री मिश्र ने बताया कि मीटिंग हाल की क्षमता 250 लोगों के बैठने की क्षमता है लेकिन कोरोना गाइडलाइन के चलते केवल 125 लोगों को आमंत्रित किया जा रहा है। प्राचार्य ने बताया कि जुलाई के अंत तक यहां चिकित्सकों की संख्या 80 हो जाएगी। मेडिकल कालेज परिसर में टाइप-2 के 12 आवास, टाइप-3 व 4 के 20-20 आवास तथा टाइप-5 के 8 आवास निर्मित हो चुके हैं। इनमें अधिकांश चिकित्सक यहां रहने लगे है। उनके खाने पीने के लिये दो माह से कैंटीन भी चालू है। प्राचार्य ने यह भी बताया कि राजकीय मेडिकल कालेज में अनवरत विद्युत आपूर्ति के लिये बिजली विभाग ने अलग से ट्रांसफार्मर लगाया है।

लोगों की जीवन रक्षा के लिये वृक्षारोपण जरुरीः डा0 शाहिदा

न्यू एंजिल्स कैम्पस में एलायंस क्लब की ओर से हुआ वृक्षारोपण

प्रतापगढ़। शैक्षिक आगाज, रेडियो मेरी आवाज, हिंदी साहित्य अकैडमी, भारत, एलायन्स क्लब इन्टरनेशनल, इन्डिया, कैलिफोनिच्या टीवी, टीवी ऑस्ट्रेलिया एवं ग्लोबल टीवी लंदन यूके मिलकर शुक्रवार को विश्व स्तर पर एक साथ प्रातः सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया जाना था।इसी क्रम में डिस्ट्रिक्ट एलायन्स क्लब के बैनर तले एन्जिल्स शाखा ने न्यू एन्जिल्स कैम्पस और बंधन पैलेस में वृक्षारोपण कार्यक्रम में एलाई डा0 विनय कुमार श्रीवास्तव चीफ एक्जीक्यूटिव कोआर्डिनेटर, एलायन्स क्लब्स इन्टरनेशनल के संरक्षण में किया गया। इस दौरान शाहिदा ने कहा कि वृक्षारोपण हमारे देश के लिये कितना जरुरी है, इसका अंदाजा कोरोना काल में भी लोगों को लग गया। ये पौधे ही हमें जीवनरक्षक आक्सीजन देते है। इनको अधिक से अधिक लगाये जाने की आवश्यकता है। इस मौके पर एलाई एफ.जीनत प्रेसीडडेन्ट एन्जिल्स, एलाई पूनम श्रीवास्तव, एलाई पूनम पांडे, एलाई मधु मिश्रा, एलाई शकुन्तला सिंह, एलाई वीना

मिश्रा, एलाई माधुरी त्रिपाठी, एलाई रेखा शुकला, एलाई सीमा श्रीवास्तव आदि ने वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लिया। इस प्रकार इस विश्व स्तरीय यज्ञ में अपना प्रतिभाग दर्ज कराया।

मानिकपुर व्यापार मण्डल का शपथ ग्रहण कल

प्रतापगढ़। उ0प्र0 उद्योग व्यापार मण्डल के जिलाध्यक्ष राजेन्द्र कुमार केसरवानी व जिला महामंत्री संजय सोनी ने संयुक्त रुप से बताया कि इकाई मानिकपुर बाजार व्यापार मण्डल के निर्वाचित पदाधिकारीगण, संरक्षक, अध्यक्ष, महामंत्री, मंत्री समेत कार्यकारिणी सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह 25 जुलाई को मानिकपुर में दोपहर एक बजे होगा।

रेलवे प्लेटफार्म की अप्रगति देख चीफ इंजीनियर का चढ़ा पारा

प्लेटफार्म चार और पांच को शीघ्रता से पूरा करने का दिया निर्देश

प्रतापगढ़। रेल निर्माण इकाई नई दिल्ली के चीफ इंजीनियर शुक्रवार को प्रतापगढ़ स्टेशन पर हो रहे निर्माण कार्य की धीमी प्रगति से काफी नाराज हुये। उन्होंने इसके लिए ठेकेदार को जमकर फटकार लगाई। उसके खिलाफ विभागीय कार्यवाई की चेतावनी दी। कहा कि अगर निर्माण कार्य जल्द पूरा नहीं हुआ तो कार्रवाई तय है। उनके गुस्से का पारा चढ़ा देख अधीनस्थों की घिग्घी बंध गई।

दरअसल, प्रतापगढ़ रेलवे स्टेशन को हाईटेक किया जाना है। इसके लिए यार्ड की रिमॉडलिंग होनी है। जिसमें दो अतिरिक्त प्लेटफार्म चार और पांच, वाशिंग लाइन और फ्लाई ओवर बनना

प्रतापगढ़ स्टेशन के निरीक्षण में मिली खामियां, ठेकेदार को जमकर लगाई फटकार

है। प्लेटफार्म का काम एक साल पहले शुरू हुआ था। फरवरी 2021 तक बन जाना था। इन्ही कायी की प्रगति जानने के लिए दिल्ली रेलवे के चीफ इंजीनियर, लखनऊ निर्माण इकाई के अधिशासी अभियंता और अधिकारियों के साथ सड़क मार्ग से स्टेशन पहुंचे।

सूत्रों के अनुसार उन्होंने दोनो प्लेटफार्म देखा। वह पूरा नहीं था। कार्य की धीमी प्रगति से वे नाराज हो गये। नई वाशिंग लाइन की नाप जोख कराई तो उसमें में भी खामियां नजर आई। प्लेटफार्म एक की दिशा में उसकी लंबाई बढ़ाने का निर्देश दिया। सेफ्टी के अधिकारियों को बुलाकर उनसे भी जानकारी ली। आवश्यक निर्देश दिया। इसके बाद वे टीम के साथ मालगोदाम क्रॉसिंग 81 नंबर गेट पर गये। फ्लाई ओवर जहां बनना है उस स्थल का निरीक्षण किया। इसके संबंध में मातहतों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उसके बाद चले गये। निरीक्षण से हड़कंप मचा रहा।

तालाब की जमीन पर हुए कब्जों को प्रशासन ने कराया खाली, गरजा बुलडोजर

पट्टी,प्रतापगढ़। प्रदेश शासन के निर्देश पर तहसील प्रशासन भू माफियाओं के खिलाफ सख्त नजर आ रहा है। तहसील क्षेत्र के ईशनपुर गांव में तालाब की जमीन पर कब्जा कर बनाए गए मकान तथा तालाब को पाटकर की जा रही खेती को तहसील की प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा पुलिस की मौजूदगी में बुलडोजर चलाकर खाली कराया गया। तहसील प्रशासन की इस कार्रवाई से अवैध कब्जे धारों में हड़कंप है। तहसील प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार ग्राम सभा ईशनपुर में 700 नंबर तलाब की भूमि पर श्रीपाल ने अवैध रूप से निर्माण किया था। जिसे तहसील प्रशासन ने पुलिस बल के साथ बुलडोजर से हटवाया। अवैध कब्जा खाली कराने के लिए तहसीलदार पट्टी विनोद कुमार गुप्ता तथा नायब तहसीलदार राज कपूर के साथ राजस्वकर्मी और कंधई थाना क्षेत्र की पुलिस मौके पर मौजूद थी।

जजों की जासूसी कराकर लोकतंत्र को खत्म करने पर अमादा है केन्द्र सरकारः बृजेन्द्र

प्रतापगढ़। जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष व कांग्रेस नेता बृजेन्द्र मिश्र ने शुक्रवार को रानीगंज विधान सभा के कूराडीह न्याय पंचायत अंतर्गत इमली डाँड़ में जन सभा को संबोधित किया। इस अवसर पर श्री मिश्र ने सीधा प्रदेश सरकार पर निशाना साधा और कहा कि भारत समाचार सहित अनेक मीडिया हाउसों पर प्रतिबंध लगाने के लिए आयकर के छापे डाले जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार के यह कृत्य साबित करते हैं कि प्रदेश में लोकतंत्र समाप्त हो चुका है। भारतीय जासूस पार्टी पेगासस के माध्यम से आज विपक्ष के नेताओं, पत्रकारों व जजों की जासूसी कराकर लोकतंत्र को खत्म करने पर आमादा है। श्री मिश्र ने कहा कि एक ओर जहां देश का नौजवान

नौकरियां पाने और रोजगार की जद्दोजहद में लगा है, वहीं प्रदेश सरकार का मुख्यमंत्री कहता है कि नौजवान अगर आंदोलन करेगा तो उसकी सम्पत्ति जप्त कर नीलाम कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि नौजवानों की आवाज प्रदेश में दबाई जा रही है। इसका नतीजा सरकार को भुगतना पड़ेगा। जनसभा में मुख्य रूप से आशीष तिवारी, कमलाकर पांडेय, संतोष शर्मा, संबोध गिरी, फुरसत अली, विमल सिंह, मनोज पांडेय, सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

जनपद में नवचयनित 99 शिक्षकों को दिया गया नियुक्ति पत्र

नवनियुक्त शिक्षक पूरी लगन व ईमानदारी के साथ बच्चों को पढ़ाएंः विधायक

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लोक भवन लखनऊ में मिशन रोजगार के तहत निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अन्तर्गत बेसिक शिक्षा विभाग में चल रही 69000 प्राथमिक शिक्षक की भर्ती प्रक्रिया में रिक्त अवशेष 6696 सहायक अध्यापकों की नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का वर्चुअल माध्यम से शुभारम्भ करते हुये नवनियुक्त सहायक अध्यापकों को नियुक्ति पत्र वितरित किया।

इसी क्रम में जनपद प्रतापगढ़ के क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान अफीम कोठी के सभागार में विधायक सदर राजकुमार पाल, विधायक रानीगंज धीरज ओझा, जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल, मुख्य विकास अधिकारी प्रभास कुमार, कैबिनेट मंत्री मोती सिंह के प्रतिनिधि विनोद पाण्डेय, सांसद

कौशाम्बी के प्रतिनिधि राजेश मिश्र उर्फ राजन ने माननीय मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा एवं जनपद के चयनित 100 अभ्यर्थियों में से 99 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किया। सहायक अध्यापकों के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम के अवसर पर विधायक सदर राजकुमार पाल ने नवचयनित शिक्षकों को उनके उज्जवल भविष्य के लिये शुभकामनायें दी। उन्होने नवनियुक्त शिक्षकों से कहा कि पूरी लगन व ईमानदारी के साथ बच्चों को पढ़ायें, उनको अच्छी शिक्षा प्रदान करें।

कार्यक्रम के दौरान विधायक रानीगंज धीरज ओझा ने नवचयनित शिक्षकों से कहा कि वह देश के भविष्य निर्माता के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करें और बच्चों को उच्च और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करें। इस दौरान जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल, मुख्य विकास अधिकारी प्रभास कुमार, कैबिनेट मंत्री मोती सिंह के प्रतिनिधि विनोद पाण्डेय, सांसद कौशाम्बी के प्रतिनिधि राजेश मिश्र उर्फ राजन ने सहायक अध्यापकों को बधाई देते हुये उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित सिंह, जिला सूचना अधिकारी विजय कुमार, क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान के प्राचार्य शिव प्रकाश, भाजपा मीडिया प्रभारी राघवेन्द्र शुक्ल, नवचयनित सहायक अध्यापक सहित खण्ड शिक्षा अधिकारी उपस्थित रहे।

चंद्रशेखर आजाद को शहीद का दर्जा न मिलना दुर्भाग्यपूर्णः डा0 लालजी

कांग्रेस कार्यालय पर मनी चंद्रशेखर आजाद की जयंती

प्रतापगढ़। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर वीर चंद्रशेखर आजाद की जयंती कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉक्टर लालजी त्रिपाठी की अध्यक्षता में मनाई गई जिस का संचालन आशुतोष तिवारी ने किया। इस दौरान कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉक्टर लालजी त्रिपाठी ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद ने देश को आजाद करने के लिए अपने प्राणों की कुर्बानी दी थी।

उन्होंने कहा कि आज के दिन ही आजाद जी का जन्म हुआ था। 27 फरवरी को 1931 में खुद को गोली मारकर देश के लिए अपनी कुर्बानी दी थी। दुर्भाग्य है आजाद जी को आज तक शहीद का दर्जा नहीं मिल पाया। उन्होंने कहा आजादी की लड़ाई में चंद्रशेखर आजाद के योगदान को देश में हमेशा याद किया जाएगा सदर के पूर्व प्रत्याशी डॉक्टर नीरज तिवारी ने कहा आजाद जी का परिवार मध्यप्रदेश में रहता था। उन्होंने ऐसी फौज का गठन किया था जिसने अंग्रेजों के छक्के छुड़ा दिए थे। ऐसे महान योद्धा को हम सब नमन करते हैं। कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष महेंद्र शुक्ला ने कहा देश के लिए चंद्रशेखर आजाद के योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। कार्यक्रम में वेदांत तिवारी, जमुना प्रसाद पांडे, प्रेम शंकर द्विवेदी, चंदना शुक्ला, उत्सव भूषण पाल, फतेह बहादुर सिंह, पृथ्वीराज गौतम, रामधन यादव, राम रतन तिवारी, रमेश मिश्रा आदि ने अपने श्रद्धा सुमन

ब्रह्मदेव जागरण मंच ने मनाई अमर शहीद की जयन्ती

प्रतापगढ़। ब्रह्मदेव जागरण मंच की ओर से ट्रेजरी चौराहा स्थित हनुमान मंदिर प्रांगण में अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की जयंती मनायी गयी। इस मौके पर जिलाध्यक्ष पं0 सत्येन्द्र नारायण तिवारी ने कहा कि शहीदों के पद चिन्हों पर चलकर ही हम सभी उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दे सकते हैं। इस मौके पर ओम नाथ शुक्ल, प्रदीप कुमार पाण्डेय, घनश्याम शुक्ल, केसरी मिश्र, एसपी शर्मा, महेश चंद्र मिश्र, श्रवण कुमार, दीक्षित, कृष्ण कुमार मिश्र आदि रहे।

शादी से झांसा देकर नाबालिग से करता रहा दुराचार, शिकायत पर आरोपी पर मामला दर्ज

पट्टी, प्रतापगढ़। एक नाबालिग लड़की से उसकी ननिहाल का एक उसे शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म करता रहा। इस बात की जानकारी जब उसके परिजनों को लगी तो आरोपी के खिलाफ शिकायत करने पर कोतवाली पट्टी में मामला दर्ज कर लिया गया। कोतवाली पट्टी क्षेत्र के दुकरा गांव की रहने वाली है। लड़की की रिश्तेदारी नोही गांव में है जहां पर अक्सर वह आती जाती थी नोही गांव के एक युवक ने उसे बहला-फुसलाकर उसे शादी का झांसा देकर उसके साथ 2 साल से दुष्कर्म करता रहा। परिजनों को इसकी जानकारी नही हो सकी दो दिन पहले नाबालिक लड़की ने सारी आपबीती जब अपने माता-पिता को बताई तो आरोपी के खिलाफ तहरीर देने पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी देवनाथ के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया।

बीबीपुर के आसपास नहर की कटान से पानी में डूबा बड़ा इलाका

पट्टी, प्रतापगढ़। तहसील क्षेत्र से होकर गुजरने वाली शारदा सहायक खंड 36 प्रमुख नहर रात्रि में लगभग 20 फीट कट गई। इतनी लंबी कटान होने के कारण 10 घंटे के भीतर कई गांव में लबालब पानी नजर आने लगा। सुबह ग्रामीण सो कर उठे तो आसपास अपने खेतों में लबालब पानी देख कर परेशान हो उठे।

सरकार का 48 घंटे में ट्रांसफार्मर लगाने का दावा फेल 4 दिन बाद भी गांव में बिजली गुल

पट्टी, प्रतापगढ़। एक तरफ सरकार का दावा है कि शिकायत के 48 घंटे के अंदर ग्रामीण क्षेत्रों में ट्रांसफार्मर लग जाएगा और विद्युत संबंधी किसी भी समस्या से निजात मिल जाएगा लेकिन हकीकत में यह ढाक के तीन पात जैसी कहावत चरितार्थ हो रही है। ट्रांसफार्मर जलने की शिकायत तो की जा रही है लेकिन सुनवाई नहीं हो पा रही है। विकासखंड बाबा बेलखरनाथ धाम के महोखरी गांव में लगा हुआ 25 केवीए का ट्रांसफार्मर आज से 4 दिन पहले ओवरलोड होने के कारण जल गया चिलचिलाती गर्मी और उमस के कारण गांव के लोग परेशान हो उठे गांव के दयाशंकर दिनेश विजय आदि ने इस मामले में ऑनलाइन शिकायत करके विभाग को सूचना दिया उन्हें उम्मीद थी कि शासन के दिशा निर्देश के अनुसार 48 घंटे के भीतर निश्चित रूप से उनके गांव में ट्रांसफार्मर लग जाएगा और विद्युत व्यवस्था बहाल हो जाएगी लेकिन 4 दिन बीत जाने के बाद भी ट्रांसफार्मर नहीं लगा जिससे गांव में आक्रोश दिखाई दिया। गांव के दिनेश हरिशंकर लक्ष्मी नारायण अजय आदि ने इस संबंध में फिर से शिकायत किया लेकिन नतीजा सिफर रहा गांव वालों का कहना है कि आखिर जब सरकार बिजली के बिल के लिए वसूली तो शुरु कर देती है लेकिन ट्रांसफार्मर बदलने यह वादे पर मुकर जाते है अब देखना यह होगा कि 4 दिन से जला हुआ ट्रांसफार्मर और उमस भरी गर्मी में कब ग्रामीण को राहत मिलती है और कब ट्रांसफार्मर

इलाज के दौरान युवती की मौत

प्रतापगढ़। देल्हूपुर बाजार में इलाज के दौरान एक युवती की मौत हो गई। परिवारीजनों का आरोप है कि झोलाछाप डॉक्टर के हास्पिटल में कम्पाउंडर के इलाज के दौरान युवती की मौत हुई है। इस दौरान परिजन व खरवई गांव वालों ने हंगामा किया। हंगामा पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अन्त्य परीक्षण के लिये भेजा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पूर्व सांसद की प्रतिमा को पुलिस ने कब्जे में लिया

अखंड भारत संदेश

ज्ञानपुर/भदोही। सुरियावां थानाक्षेत्र के अमिलहरा गांव में शुक्रवार को पूर्व सांसद फूलन देवी की प्रतिमा को चबूतरे से हटाकर पुलिस ने कब्जे में ले लिया। इससे नाराज विकासशील इंसान पार्टी के पदाधिकारियों ने आंदोलन की चेतावनी दी है।

ज्ञानपुर के एक रेस्टोरेंट में शुक्रवार को पत्रकार वार्ता में वीआईपी के जिलाध्यक्ष रमाकांत केवट ने कहा कि 25 जुलाई को पूर्व सांसद फूलन देवी की पुण्यतिथि है। जिसको लेकर पार्टी अमिलहरा में उनकी प्रतिमा स्थापित कर रही थी। सुरियावां थाने की पुलिस पहुंचकर प्रतिमा को कब्जे में ले लिया। पुलिस ने उक्त प्रतिमा को घर में भी नहीं रखने दिया। पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य गिरजाशंकर केवट ने कहा कि भाजपा सरकार जातिवादी मानसिकता में लिप्त हो गई है। प्रदेश भर में फूलनदेवी की प्रतिमा नहीं लगाने दिया गया। मछुआ समाज अगर सीएम को कुर्सी पर बिठा सकता है तो 2022 में उतार भी देगा।

बहन फूलनदेवी के हत्यारों को भाजपा सम्मानित कर रही है और उनकी प्रतिमा को नहीं लगवाने दे रही। इसको लेकर पार्टी चुप नहीं बैठेगी। सड़क से लेकर संसद तक आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर रमेश चंद्र केवट, नंदलाल आदि रहे। उधर एसडीएम ज्ञानपुर योगेंद्र साहू ने कहा कि बिना परमिशन के प्रतिमा लगवाई जा रही थी, जिसके कारण उसे रोका गया।

बारिश और उमस से बढ़े संक्रामक रोग के मरीज

अखंड भारत संदेश

भदोही। कभी बारिश तो कभी धूप से लोग बीमार हो रहे हैं। शहर के कई जगह डंप कूड़े भी इसका कारण बन रहे हैं। कूड़े के ढेर पर बारिश की बूंदे पड़ने से निकल रही दुर्गंध आम जन परेशान हैं। अस्पतालों में पिछले तीन चार दिन से मरीजों की संख्या बढ़ी है। नागरिकों ने शहरी क्षेत्र में डंप कूड़े को उठवाकर कहीं और ले जाने की नगर पालिका से मांग की है। उधर शुक्रवार को भीषण उमस और गर्मी ने लोग बेहाल रहे। शहर के जलालपुर, मछरहट्टा रोड पर खुले मैदान में भारी मात्रा में कूड़ा भीग जाने से बजबजा उठा है। पिछले चार पांच दिन से बजबजा रहे कूड़े से उठ रही दुर्गंध से लोगों का सांस लेने मुश्किल हो गया। उसके आसपास रहने वालों को इससे खासी परेशानी झेलनी पड़ रही है। सपा नेता विनोद कुमार यादव ने कहा कि उनके घर के आसपास बड़ी आबादी इस समस्या से ग्रसित है। कोई इस ओर ध्यान देने वाला नहीं है। उन्होंने जिलाधिकारी से शहर के अंदर कूड़ा डंप करने पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने की मांग की है।स्टेशन रोड, गुलाल तारा, काजीपुर, अंबर नीम, छेड़ीबीर, जमुंद, जल्लापुर नईबस्ती, आलमपुर, घमहापुर में पहले से ही गंदगी और कीचड़ होने से सड़क की पटरियों पर पानी लगा हुआ है। कहीं कहीं कूड़ा डंप होने तथा कूड़ा निकाल कर नाली किनारे ही छोड़े जाने से लोग बीमार हो रहे हैं। सबसे अधिक बच्चे सर्दी-खांसी और बुखार से पीडि.त हो रहे हैं। शुक्रवार को नगर के महाराजा बलवंत सिंह राजकीय अस्पताल में दो सौ से अधिक मरीजों की ओपीडी हुई जबकि सामान्यतः यह संख्या 150 से ऊपर नहीं जाती। इनमें अधिकतर मरीज सर्दी, खांसी और बुखार के रहे।

एमबीएस अस्पताल के डा. वीके मौर्य ने कहा कि बच्चों को स्वस्थ रखने के लिए स्वच्छता और नमी से बचाने की जरूरत है।

शव की आशंका में फायर फाइटर हुए हलकान, निकला बछड़े का शव

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज/भदोही। नगर के अंजाही मोहाल के पीछे उदासीन अखाड़ा के प्राचीन शिव मंदिर के बगल स्थित कुएं में उठ रही दुर्गंध से आसपास के लोगों ने कुएं में शव होने की आशंका में पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दे दी।

मौके पर पहुंची पुलिस और फायर ब्रिगेड द्वारा घंटे भर हलकान रहने के बाद कुवे से एक बछड़े का शव निकाला गया। बताया जाता है कि मोहल्ले के पीछे उदासीन अखाड़ा का बड़ा आता है जहां पर काफी प्राचीन मंदिर और पेड़ो के बीच में पुराना बिना मुड़ेरी के कुआं भी मौजूद है। शुक्रवार को सुबह से ही मंदिर के आसपास के रहवासियों को भयंकर बदबू आने लगी। जिसकी सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने फायब्रिगेड के लोगो को सूचित किया। फायर फाइटर के जवानों ने इस विषम परिस्थितियों में जहा पर नजदीक जाने पर हर आदमी को उल्टियां आनी शुरू हो जाती रही, इस अंधेरे कुएं में घुसकर देखा तो एक भैंस का बछडा मृत हालत में मिला। प्रत्यक्षदशिर्यों में इस बात की चर्चा रही की कुछ दिन पहले दौड़ते हुए बछड़ा आया और इसमें गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना को लेकर जहां किसी शव की आशंका में पुलिस की जान सांसत में रही, जब उसमे बछड़े का शव निकला तो स्थानीय लोगों ने भी राहत की सांस ली।

कोरोना वैक्सीन लगवाने की लोगों की उमड़ी भीड़

अखंड भारत संदेश

भदोही। जनपद के विकासखंड डीघ के कटरा बाजार स्थित अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर कोरोना वैक्सीन लगवाने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी।

शुक्रवार को केंद्र पर महिनों बाद कोविड वैक्सीन का टीका उपलब्ध होने की जानकारी होने पर कोनिया क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों के 18 प्लुस युवाओं की भीड़ स्वास्थ्य केंद्र पर लग गई। भीड़ इतनी बढ़ गई कि जिसे स्वास्थ्य कमिर्यों को संभालना मुश्किल हो गया। 18क्का वैक्सीन लगवाने के लिए युवा से लेकर बुजुर्ग सभी पहुंचने लगे। स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्साधिकारी डा देवेश पांडेय ने बताया की शुक्रवार को 300 डोज वैक्सीन उपलब्ध हुआ था, दोपहर 12बजे तक 200लोगो को वैक्सीन दिया गया।

जागरूकता गोष्ठी आयोजित कर महिलाओं को दी गई घरेलू हिंसा के बारे में जानकारी

वन स्टाप सेन्टर की मैनेजर शिल्पा शुक्ला कर रहीं महिलाओं को जागरूक

अखंड भारत संदेश

भदोही। हिंसा चाहे किसी प्रकार का हो वह सामाजिक ही नहीं बल्कि कानूनी रूप से भी दंडनीय होती है। अक्सर महिलाएं घरेलू हिंसा की शिकार होकर रह जाती हैं। शारीरिक मानसिक अथवा आर्थिक घरेलू हिंसा वह हिंसा है जो महिलाओं के साथ उनके घरों में की जाती है। अक्सर महिलाएं केवल शारीरिक चोट को ही हिंसा समझ लेती हैं। जैसे कि परिवार में जब तक कोई सदस्य उनके ऊपर हाथ न उठाए तब तक उसके विरुद्ध शिकायत करना जरूरी नहीं समझती, दरअसल यह जागरूकता के अभाव में होता है। जागरूकता गोष्ठी को संबोधित

करती हुई शिल्पा शुक्ला ने कहा कि भारतीय संविधान के अनुसार स्त्री हो या पुरुष उसे समान रूप से गरिमामय जीवन जीने का अधिकार मिला है। जब महिलाओं के साथ स्त्री होने के नाते उनके ऐसे अधिकारों का हनन उनके परिवार के किसी भी सदस्य द्वारा किया जाता है तो वह घरेलू हिंसा कहलाता है। घरेलू हिंसा के कई प्रकार है जैसे किसी स्त्री के प्रति अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करना, उसके ऊपर हाथ उठाना, गाली देना, भावनात्मक चोट पहुंचाना और यौन शोषण करना अथवा उसको भरण पोषण के लिए खर्च ना देना इत्यादि। घरेलू हिंसा विवाहित स्त्रियों के लिए है। घरेलू हिंसा के विरुद्ध शिकायत न केवल विवाहित महिलाएं कर सकती हैं बल्कि अविवाहित लड़कियां जिनकी उम्र 18 वर्ष से अधिक हो वह भी अपनी शिकायत दर्ज करा सकती हैं। इसके अतिरिक्त बुजुर्ग महिलाओं जो अपने परिवार के सदस्यों, बेटे व अथवा पति द्वारा अपमानित अथवा उपेक्षित की जा रही हो। घरेलू हिंसा अधिनियम 2005 के अंतर्गत संबंधित थाने में अथवा महिला हेल्पलाइन नंबर 181 तथा सखी वन स्टॉप सेंटर पर सीधे आकर अपनी शिकायत दर्ज करा सकती है। पीडि.त महिला की पहचान गोपनीय रखी जाती है। घरेलू हिंसा अपने लव इन पार्टनर के विरुद्ध भी दर्ज कराई जा सकती है। घरेलू हिंसा से पीडि.त महिला का मुफ्त कानूनी सलाह तथा जरूरत पड़ने पर अस्थाई आश्रय भी उपलब्ध कराया जाता है। अतः महिलाओं से अपील है कि अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बने तथा अपने आसपास हो रही घरेलू हिंसा के विरुद्ध चुप्पी न साधे, आवाज उठाए।

कोतवाली मे हुई ब्यापारी सुरक्षा को लेकर गोष्ठी

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज। कोतवाली प्रांगण में शुक्रवार को अपर पुलिस महानिदेशक कानून ब्यवस्था उत्तर प्रदेश के आदेश पर ब्यापारियों की सुरक्षा के लिए प्रतिमाह बैठके कर सूचित किये जाने पर पहली बैठक क्षेत्राधिकारी अशोक सिंह की अध्यक्षता में आहूत की गई। जिसमे मुख्य रूप से ब्यापारियों की सुरक्षा पर चर्चा की गई। प्रत्येक व्यापारियों से सुरक्षा सहीत समस्याओं के बारे में पूछा गया ज्यादातर व्यापारियों ने कहा कि कोई समस्या नहीं है लेकिन कुछ व्यापारियों ने सुरक्षा के लिए शस्त्र लाइसेंस की मांग की है । पुलिस क्षेत्राधिकारी ज्ञानपुर ने कहा कि सभी व्यापारी अपने अपने प्रतिष्ठानों की सुरक्षा करने के लिए सतर्क रहने की हिदायत देते हुए कहा कि अपने-अपने प्रतिष्ठान पर जहां पर ब्यापारी अपनी दुकानों पर सीसीटीवी कैमरे लगवायें, ताकि आपके यहाँ कोई घटना दुर्घटनाओं पर पुलिस को अपराधियो को पकड़ने में मदद मिल सके। वही सर्राफा व्यापारियों के लिए विशेष सुरक्षा के उपाय बताए गए। इस अवसर पर नगर उद्योग ब्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष श्रीकांत जायसवाल, आइ बी सिंह ,राजकुमार शुक्ला, बिहारीलाल केसरवानी, मनीष कुमार , सिराज अख्तर,उत्तर प्रदेश उद्योग ब्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष राधेश्याम गुप्ता, शिवशंकर गुप्ता, दिनेश कुमार उमर, सहित काफी संख्या में ब्यापारी रहे।

हत्या का खुलासाः प्रेमिका का पति ही निकला कातिल, काट दिया था प्राइवेट पार्ट

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। सरायइनायत में राजू हरिजन(28) की हत्या उसकी ही प्रेमिका के पति ने की थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करते हुए छह दिन पहले हुए इस हत्याकांड का खुलासा कर दिया।

साथ ही हत्या में प्रयुक्त लोढ़ा भी बरामद कर लिया। हत्या में गिरफ्तार आरोपी का चचेरा साला भी शामिल था जिसकी तलाश की जा रही है। हत्यारों ने मृतक का प्राइवेट पार्ट भी काट दिया था।

17 जुलाई को कमरे में मिली थी लाश

राजू मूल रूप से बैरहना, कीडगंज का रहने वाला था और किराना की दुकान में काम करता था। माता-पिता की मौत के बाद वह सरायइनायत के जैतपुर में वेदप्रकाश स्वर्णकार के मकान में किराये पर कमरा लेकर रहने लगा। 17 जुलाई को कमरे के भीतर ही उसकी खून से लथपथ लाश मिली थी। सिर कूंचकर व गला रेतकर उसकी हत्या की गई थी। पुलिस का कहना है कि संदिग्धों की सीडीआर और सर्विलांस से मिली जानकारी के आधार पर मृतक के रिश्तेदार अनिल कुमार निवासी बरियारी थाना सरायइनायत को पकड़कर कड़ाई से पूछताछ की गई तो हत्याकांड का खुलासा हो गया।पुलिस केमुताबिक, अनिल ने बताया कि रिश्तेदार होने के नाते राजू उसके घर आया जाया करता था। इसी दौरान वह उसके पतनी के नजदीक आ गया।

जब वह अपने चचेरे साले अनिल रविदास निवासी बनी सरायइनायत के साथ विक्रम चलाने शहर चला जाता था, तब राजू उसके घर पहुंच जाता था। उसने दोनों को समझाया, लेकिन उन पर कोई असर नहीं हुआ। इसके बाद उसने राजू को रास्ते से हटाने की प्लानिंग की। शराब पिलाकर पहले रेता गला, फिर कूंच दिया सिर 17 जुलाई को उसने राजू को फोन किया और फिर अपने चचेरे साले अनिल को साथ लेकर उसके घर पहुंच गया। तीनों ने मुर्गा खाया और फिर शराब पी। इसी दौरान मौका पाकर दोनों ने पहले राजू का गला रेता और फिर सिर घर में रखे लोढ़ा से कूंच दिया। इसके बाद उसका प्राइवेट पार्ट भी काट दिया। पुलिस का कहना है कि फरार आरोपी की तलाश की जा रही है।

ढाई साल की बच्ची के अपहरण, हत्या के आरोपी की जमानत नामंजूर

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अलीगढ़ के टप्पल क्षेत्र में ढाई साल की अबोध बच्ची का षड्यंत्र के तहत अपहरण कर जघन्य हत्या करने के आरोपी मेंहदी हसन की दूसरी जमानत अर्जी खारिज कर दी है।

कोर्ट ने कहा कि सह अभियुक्तों को जमानत देते समय हत्या की प्रकृति पर विचार नहीं किया गया। बच्ची के शरीर पर कई चोटें होना, पैर की हड्डी टूटना, पसली दबी होना, शरीर के अंग गायब होने का

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा किया गया है। बहुत ही जघन्य अपराध किया गया है। ऐसे में जमानत पर रिहा करने का कोई औचित्य नहीं है। यह आदेश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा ने मेहंदी हसन की दूसरी जमानत अर्जी पर दिया है। अपर शासकीय अधिवक्ता विकास सहाय ने जमानत अर्जी का विरोध किया।

याची के भाई ने मृतक बच्ची के पिता से लोन लिया था। वापस मांगने पर जाहिद, असलम, सुस्ता व मेहंदी हसन ने आपराधिक साजिश की। 30 मई 19 को बच्ची घर से लापता हो गई और दो जून को उसकी लाश मिली। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या में क्रूरता का खुलासा हुआ। याची का कहना था कि सह अभियुक्त जाहिद वह अन्य की जमानत मंजूर कर ली गई है। इसलिए याची को भी जमानत पर रिहा किया जाए। कोर्ट ने अपराध की जघन्यता को देखते हुए जमानत देने से इंकार कर दिया है।

निःशुल्क नेत्र शिविर बबुरा गांव में 25 को - प्रधान निर्मल सिंह

करछना। विकास खंड करछना के ग्राम पंचायत बबुरा में निः शुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया गया है । जिसमें रिती ऑय केयर अस्पताल के कुशल चिकित्सकों द्वारा आंखों की जांच मोतियाबिंद का आपरेशन एवं निःशुल्क दवाएं दी जायेगी ।और आने जाने केलिए मुफ्त साधन की ब्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी, कार्य स्थल जितेन्द्र कुमार सिंह सनतक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नटका बबुरा पर कार्यक्रम के व्यवस्थापक डाक्टर आनंद कुमार यादव व बबुरा प्रधान निर्मल कुमार सिंह ने लोगों से अपील की है कि ग्रामीण ज्यादा-ज्यादा सख्या में पहुंच कर निः शुल्क नेत्र शिविर का लाभ उठाये ।

श्रीहरि सो गए, जिम्मेदार अब करवाएंगे 51 जोड़ों का विवाह

शंकरगढ़ में 25 जुलाई को हो रहा है सामूहिक विवाह का आयोजन

चर्तुमास में वैवाहिक आयोजन पर उठ रही उंगली

आलोक गुप्ता

शंकरगढ़/प्रयागराज। बीस जुलाई से भगवान विष्णु अर्थात श्रीहरि शयनकाल में चले गए। उनके स्थान पर अब देवों के देव, महादेव ने सृष्टि की सत्ता संभाल ली है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार श्रीहरि के शयनकाल के दौरान किसी भी प्रकार का शुभ कार्य संपन्न नहीं करवाया जाता।/ङ ;,,,,,,ण्छ्ठ ञ इउ 3 समें शादी-विवाह, जनेऊ संस्कार, कर्णछेदन, मुंडन, गृहप्रवेश आदि प्रतिबंधित है। हिंदू धर्म को मानने वाले इस किसी प्रकार की संपत्ति की खरीद-फरोख्त से भी परहेज करते हैं। ऐसे समय में योगी सरकार के जिम्मेदार लोग सामूहिक विवाह का आयोजन कराने पर जुटे हुए हैं। जबकि यही आयोजन, सीमित लोगों की मौजूदगी (कोविड गाइडलाइन) में एक सप्ताह पहले तक करवाया जा सकता था। उस समय तक पंचायत चुनाव भी समाप्त हो चुके थे। यमुनापार के दो विकास खंडों से कुल 51 जोड़ों का चयन किया गया है।इनका विवाह हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार आगामी 25 जुलाई को विकास खंड शंकरगढ़ परिसर में करवाया जाएगा। इन 51 जोड़ों में 36 जोड़े विकास खंड शंकरगढ़ के विभिन्न गांवों के हैं, जबकि 16 जोड़े विकास खंड जसरा के शामिल हैं। इन जो.ड़ों का चयन काफी पहले से किया गया है, बावजूद इसके शुभ मुहूर्त का समय समाप्त होने के बाद विवाह संपन्न करवाना समझ से परे हैं।चूंकि, यह प्रोग्राम सरकारी और सरकारी खर्चे पर होना है, इसलिए कोई कुछ बोल नहीं रहा, पर लोगों में अंदर ही अंदर इसे लेकर संशय बना हुआ है। और, नाराजगी भी है। इस आयोजन को लेकर तैयारियां हो रही हैं। आयोजन को लेकर विकास खंड शंकरगढ़ के एडीओ (समाज कल्याण) गजराज सिंह ने बताया कि 25 जुलाई को सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें 51 जोड़े सात फेरे लेंगे,जब उनसे यह पूछा गया कि लगन का समय बीतने के बाद यह आयोजन क्यों किया जा रहा है तो वह जवाब नहीं दे पाए। कहा कि यह तिथि ऊपर से निर्धारित की गई है। इसमें वह कुछ नहीं कह सकते।

51 हजार रुपये की मदद करती है योगी सरकार

सरकारी खर्चे पर होने वाले इस तरह के वैवाहिक समारोहों का आयोजन प्रदेश सरकार करती है। इसमें उन युवक-युवतियों का विवाह संपन्न करवाया जाता है, जो आर्थिक रूप से कमजोर होते हैं और शादी का खर्च वहन करने में सक्षम नहीं होते है। प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही इस योजना के तहत कुल 51 हजार रुपये की मदद की जाती है। इसमें 35 हजार रुपये कन्या के बचत खाते में सीधे ट्रांसफर किए जाते हैं, ताकि विवाह के बाद जीवन की गाड़ी को पटरी पर लाने में मदद मिल सके। इसके अलावा नौ हजार रुपये का गृहस्थी का सामान दिया जाता है। जबकि छह हजार रुपये वैवाहिक समारोह के आयोजन पर खर्च किए जाते हैं। इस मामले में खंड विकास अधिकारी से बात करने की कोशिश की गई, लेकिन बात नहीं हो पाई।

अमर शहीद आजाद की जयंती मनाई गई

अखंड भारत संदेश

सहसों। देश के आजाद सिपाही, अमर शहीद प्रबल क्रांतिकारी पंडित चंद्रशेखर आजाद की जयंती शुक्रवार को सहसों स्थित युवा डेवलपमेंट वेलफेयर सोसाइटी के कार्यालय में एक गोष्ठी के रूप में मनाई गई। सर्वप्रथम उपस्थित लोगों ने चंद्रशेखर आजाद को नमन करते हुए उन्हें याद किया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश केसरवानी ने आजाद के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक एवं लोकप्रिय स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद का जन्म 23 जुलाई को मध्यप्रदेश के झाबुआ जिले के भाबरा नमक गांव में हुआ था। जिसे आज आजाद नगर के रूप में जाना जाता है।

आजाद ने देश के स्वतंत्रता संग्राम के आग में कूद कर जिस ढंग से फौलादी शक्ति से देश की आजादी में भाग लिया वह अविस्मरणीय है। आजाद ने 15 कोडों की सजा खाते हुए हर कोड़े के साथ में वंदे मातरम और भारत माता की जय का स्वर बुलंद किया। अंततः ब्रिटिश सरकार से लड़ते-लड़ते उन्होंने 27 फरवरी 1931 को इलाहाबाद स्थित अल्फ्रेड पार्क में मातृ भूमि को प्रणाम करते हुए स्वयं को गोली मारकर अपने प्राणों की आहुति देकर शहीद हो गए। ऐसे अमर शहीद वीर बलिदानी को पूरा देश युग युगांतर तक नमन करता रहेगा। आज वह अल्फ्रेड पार्क कंपनी बाग अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद पार्क के नाम से जाना जाता है। इस मौके पर प्रमुख रूप से प्रधान विष्णू केसरवानी, डॉ अमित यादव, पंकज सिंह, इंजीनियर बद्री प्रसाद सिंह, लाल जी दूबे, निर्दोष गुप्ता आदि लोग उपस्थित रहे।

शिक्षक संघ के ब्लाक फूलपुर अध्यक्ष रमेश यादव की पतनी के आकस्मिक निधन पर-शिक्षको ने शोक जताया

अखंड भारत संदेश

करछना। उ.प्र. माध्यमिक शिक्षक संघ ने जताया गहरा शोक - उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ वित्तविहीन गुट प्रयागराज की आकस्मिक बैठक एच डी भगत इण्टर कॉलेज रामपुर में जिलाध्यक्ष ननकेश बाबू की अध्यक्षता में की गई, जिसमे संघ के फूलपुर के ब्लॉक अध्यक्ष रमेश यादव की धर्मपतनी श्रीमती इंदु यादव के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की गई कि दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोकाकुल परिवार को संबल प्रदान करें।संघ के प्रदेश अध्यक्ष/शिक्षक विधायक माननीय लाल बिहारी यादव ने भी रमेश यादव की पतनी की अल्पायु मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया है। बैठक में अभयराज सिंह, फूलचंद कननैजिया, बुद्धराम यादव, सीताशरण सिंह, अमरबहादुर, जेपी यादव, गोविंद भूतिन्या, बालेंदु गौतम, अवधेश श्रीवास्तव, बीरेंद्र शैलेश, अमरचंद, सर्वेश, मान सिंह, कमलचन्द, शिवमूरत पटेल, भुवाई लाल यादव, राम आसरे सिंह सहित अनेक शिक्षक मौजूद रहे।

गुरु को ईश्वर रूप में पूजकर शिष्य होते हैं कृतज्ञ

अखंड भारत संदेश

सहसों। गुरु पूर्णिमा आज-धार्मिक शास्त्रों में गुरु को ईश्वर रूप में विशेष महत्व को बताया गया है क्योंकि गुरु ही भगवान तक पहुंचाने का मार्ग बताते हैं। गुरु पूर्णिमा पर्व गुरुजनों को समर्पित शिष्य अपने गुरु देव का पूजन करते हैं।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन चारों वेदों का ज्ञान देने वाले महर्षि वेदव्यास का जन्म हुआ था मानव जाति के प्रति उनके योगदान को देखते हुए उनके जन्म उत्सव को गुरु पूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है। गुरु पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु की पूजा का भी विशेष महत्व है। गुरु पूर्णिमा उन सभी आध्यात्मिक और अकादमिक गुरुजनों को समर्पित परंपरा है । हिंदू पंचांग के अनुसार आषाढ़ मास की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है इस दिन गुरु पूजा का विधान है। गुरु पूर्णिमा वर्षा ऋतु के आरंभ में आती है इस दिन से 4 महीने तक परिव्राजक साधु-संत एक ही स्थान पर रह कर ज्ञान की गंगा बहाते हैं।

उक्त बातें शीतला प्रसाद पांडे व्यास जी ने गुरु पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर राम जानकी मंदिर सहसों में शिष्यों के प्रति कहीं। उन्होंने कहा जैसे सूर्य के तेज से तप कर भूमि को वर्षा से शीतलता एवं फसल पैदा करने की शक्ति मिलती है वैसे ही गुरु चरणों में उपस्थित साधकों को ज्ञान शांति भक्ति और योग शक्ति प्राप्त करने की शक्ति मिलती है। इसलिए सभी भक्तों को चाहिए कि गुरु पूर्णिमा के दिन अपने अपने गुरु के चरण रज ले उनकी पूजा करें तथा इस सांसारिक बंधनों से मुक्ति के लिए आशीर्वाद प्राप्त करें। इसी क्रम में गुरु पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर आचार्य ओम प्रकाश शास्त्री ने बताया कि गुरु और शिष्य का अटूट संबंध होता है। इसलिए हर शिष्य को चाहिए कि वह अपने कुल गुरु के घर जाकर गुरु का दर्शन करें गुरु का अभिषेक करें एवं यथा शक्ति गुरु को दान आदि कर आशीर्वाद का भागीदार होना चाहिए तत्पश्चात शिष्य गुरु के आशीर्वाद से कृतज्ञ हो जाता है।

बरसात होने से खराब हुई पक्की सड़कें

अखंड भारत संदेश

भड़ेवरा/करछना। क्षेत्र के अंतर्गत हनुमानपुर चौराहे से लेकर ककरम होते हुए सुलमई , केचुहा पड़ोखरा संपर्क मार्ग पूरी तरह से ध्वस्त हो गया है। बरसात के समय लोगों को आने जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ककरम गांव के ही समाजसेवी प्रभात कुमार यादव ने जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज कर समस्या का समाधान करवाने की गुजारिश की है ।जिससे लोगों को आने वाले समय में दिक्कतों का सामना न करना पड़े।और दुर्घटना से बचा जा सके।

ग्राम प्रधान द्वारा शासन के उपलब्ध कराए गए बैग में निः शुल्क राशन का किया गया वितरण

अखंड भारत संदेश

लालापुर/प्रयागराज। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत शुक्रवार को ग्राम प्रधान शंकरलाल पाण्डेय के द्वारा ग्राम पंचायत भटपुरा-लालापुर में उचित दर विक्रेता रमाशंकर तिवारी की दुकान पर शासन के द्वारा उपलब्ध कराए गए बैग में निः शुल्क राशन का वितरण किया गया।ग्राम पंचायत भटपुरा-लालापुर लगभग 68 लाभाथियों बैग वितरण किया गया।

सम्पादकीय

तोक्यो ओलिंपिकः चक दे इंडिया

भारतीय खेलप्रेमियों को भी इस बार रेसलिंग से लेकर शूटिंग और बैडमिंटन तक कई खेलों में मेडल की उम्मीद है। ये उम्मीदें किस हद तक पूरी होती हैं, यह साफ होने में वक्त लगेगा। लेकिन हमारी जो टीम पहुंची है, उस पर ठीक से गौर करें तो उससे भी देश में स्पोर्ट्स के विकास के कई अहम पहलू उजागर होते हैं। लंबे इंतजार और तमाम आशंकाओं के बीच आखिर तोक्यो ओलिंपिक 2020 आज से शुरू हो रहा है। यह पहला मौका है, जब किसी ओलिंपिक में शामिल होने गई टीम के सदस्यों की पहली चिंता बेहतरीन प्रदर्शन की तैयारियों में लगने के बजाय यह देखना है कि उनके कोरोना टेस्ट की रिपोर्ट पॉजिटिव न आ जाए और ऐसा न हो कि गेम में शामिल होने के बदले उन्हें जापान सरकार द्वारा बनाए गए क्वारंटीन होम में बैठे-बैठे मुकाबले देखकर संतोष करना पड़े। जिन हालात में ये ओलिंपिक खेल आयोजित हो रहे हैं उनके मद्देनजर हर खेल में मेडल की चाहत रखने वाले दर्शकों की भी पहली चिंता यही है कि उनके संभावित चैंपियन आखिरी पलों तक संक्रमण से बचे रहें। इन्हीं खतरों की वजह से सीमित संख्या में दर्शकों को स्टेडियम में प्रवेश देने की योजना भी आखिरकार रद्द करनी पड़ी। इन सबके बावजूद दुनिया भर के खेलप्रेमियों के लिए यह राहत की बात है कि कोविड-19 वायरस के खौफ को पराजित कर एक साल देर से ही सही, पर इन खेलों का आयोजन किया जा रहा है। और जब खेलों का आयोजन हो रहा है तो लाख चिंताओं-दुश्चिंताओं के बीच भी मेडल से नजरें नहीं हट सकतीं।

भारतीय खेलप्रेमियों को भी इस बार रेसलिंग से लेकर शूटिंग और बैडमिंटन तक कई खेलों में मेडल की उम्मीद है। ये उम्मीदें किस हद तक पूरी होती हैं, यह साफ होने में वक्त लगेगा। लेकिन हमारी जो टीम पहुंची है, उस पर ठीक से गौर करें तो उससे भी देश में स्पोर्ट्स के विकास के कई अहम पहलू उजागर होते हैं। अव्वल तो 127 खिलाड़ियों वाली यह अब तक की सबसे बड़ी टीम है। दूसरी बात यह कि भारत इस बार 18 खेलों में भागीदारी कर रहा है जो विभिन्न खेलों में हमारे विकास को दर्शाता है। पंजाब और हरियाणा जैसे छोटे राज्यों की तोक्यो पहुंचे दल में 40 फीसदी की हिस्सेदारी वहां तेजी से फलते-फूलते स्पोर्टिंग कल्चर की कहानी कहती है। इसमें तमिलनाडु (11), केरल (8), महाराष्ट्र (6) और मणिपुर (5) जैसे राज्यों का योगदान बताता है कि भारत के टॉप एथलीट किसी खास क्षेत्र से नहीं बल्कि पूरे देश के कोने-कोने से आते हैं। इसका मतलब यह भी है कि विभिन्न खेलों के पारंपरिक गढ़ तो हैं ही, पर उनके नए केंद्र भी उभर रहे हैं। उदाहरण के लिए एक तरफ हरियाणा है, जिसने सात रेसलर तोक्यो भेजकर इस खेल में अपना दबदबा कायम रखा है तो दूसरी ओर महाराष्ट्र का सातारा है जो रेसलिंग केंद्र की अपनी जगह दोबारा हासिल करने में लगा हुआ है। बहरहाल, चूंकि आज से ओलिंपिक गेम्स शुरू हो रहे हैं तो इन तमाम बातों की पहली और फिलहाल सबसे बड़ी कसौटी मेडलों की संख्या ही होगी। हम उम्मीद करते हैं कि भारत इस ओलिंपिक में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करे।

कोरोना अभी गया नहीं है, जिस तरह की लापरवाही हो रही है वह देश को भारी पड़ सकती है

रमेश सर्राफ धमोरा

विश्व स्वास्थ्य संगठन व दुनिया के बड़े वैज्ञानिक व चिकित्सा विशेषज्ञ सभी देशों को लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि वह अपने यहां लगाई गई पाबंदियों में ढील ना दें। दुनिया भर में जल्दी ही कोरोना की तीसरी लहर आने वाली है। कई देशों में तो कोरोना की तीसरी लहर प्रारंभ भी हो चुकी है। विशेषज्ञों का कहना है कि तीसरी लहर में कोरोना का वायरस पहले से ज्यादा प्रभावी होगा, जिसके बड़े दुष्परिणाम देखने को मिल सकते हैं। ब्रिटेन, अमेरिका, रूस समेत कई बड़े देशों में कोरोना के बढ़ते आंकड़े भारत के लिए चिंता बढ़ाने वाले हैं। दुनिया भर में कोरोना वैक्सीन लगाए जाने के बावजूद जिस तेजी से कोरोना संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं। उससे इस बात के संकेत मिल रहे हैं कि कोरोना की तीसरी लहर शुरू हो चुकी है।

केरल में कोरोना संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में केरल सरकार की ओर से बकरीद पर लॉकडाउन में ढील दिए जाने पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताई व जमकर फटकार लगाते हुए कहा कि यह अफसोस की बात है कि राज्य सरकार व्यापारी संगठनों के दबाव में आ गई। उन इलाकों में भी दुकान खोलने की अनुमति दी जहां कोरोना दर 15 फीसदी से अधिक है और लोगों की जान को खतरे में डाल दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केरल सरकार ने बकरीद के अवसर पर इस तरह की छूट देकर देश के नागरिकों के लिए राष्ट्रव्यापी महामारी के जोखिम को बढ़ा दिया है।

कोरोना की दूसरी लहर के बाद किए गए सीरो सर्वे में देश के 68 फीसदी लोगों में एंटीबॉडी पाई गई है। इसमें वो लोग भी शामिल हैं जिन्हें टीका लगाया जा चुका है। इसके बावजूद प्रतिदिन नये कोरोना मरीजों के आंकड़ों का 40 हजार के आसपास रुक जाना किसी खतरे की घंटी से कम नहीं है। विशेषज्ञों ने चिंता जताते हुए कहा है कि कोरोना के आंकड़े जिस तरह से स्थिर हो गए हैं। उसे देखने के बाद संभावना है कि आंकड़ों में बहुत जल्दी बढ़ोत्तरी देखने को मिले। देश के 13 राज्यों में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में बढ़ोत्तरी दर्ज की जा रही है। केरल, आंध्र प्रदेश, ओडिशा के अलावा पूर्वोत्तर के कई राज्यों में जिस तेजी से कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं वो डराने वाले हैं।

देश में अभी प्रतिदिन 40 हजार कोरोना के नए केस मिल रहे हैं। जबकि देश में पहली बार संपूर्ण लॉकडाउन लगा था तब मात्र 85 कोरोना पॉजिटिव केस मिले थे। उससे तुलना करें तो वर्तमान स्थिति बहुत चिंताजनक है। देश में अभी तक तीन करोड़ नौ लाख के करीब कोरोना पॉजिटिव केस मिल चुके हैं। जिनमें से तीन करोड़ पांच लाख यानी 99 प्रतिशत कोरोना पॉजिटिव केस रिकवर हो चुके हैं। वही 4 लाख 20 हजार लोगों की कोरोना से मौत हो चुकी है जो एक प्रतिशत है। देश में अभी तक कोरोना के 35 करोड़ नमूने लेकर उनकी जांच की जा चुकी है। वर्तमान में भी प्रतिदिन 17 से 18 लाख कोरोना के नमूनों की देश में जांच की जा रही है।पूर्वोत्तर के आठ प्रदेशों में कोरोना पॉजिटिव केसों में एकाएक बढ़ोतरी होना बड़ी चिंता का विषय है। कोरोना की पहली लहर में पूर्वोत्तर के आठ प्रदेश कोरोना से ज्यादा प्रभावित नहीं हुए थे। मगर इस बार वहां कोरोना का काफी प्रभाव देखने को मिल रहा है। अभी देश में कोरोना से प्रतिदिन होने वाली मौत का आंकड़ा 500 से अधिक है। कोरोना की दूसरी लहर गुजर जाने के बाद भी लगातार 40 हजार से अधिक पॉजिटिव केसों का मिलना व 500 लोगों की प्रतिदिन मौत पर काबू नहीं हो रहा है। ऐसे में यदि कोरोना की तीसरी लहर आ जाती है तो स्थिति एक बार फिर बिगड़ सकती है। कोरोना की दूसरी लहर में पूरे देश ने देखा था कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में सरकार पूरी तरह फेल हो गई थी। देश में ऑक्सीजन को लेकर हाहाकार मचा था। यहां तक कि पानी के जहाजों से विदेशों से भी ऑक्सीजन मंगवानी पड़ी थी। दूसरी लहर के बाद देश के सरकारी व निजी अस्पतालों में तेजी से ऑक्सीजन गैस प्लांट लगाए जा रहे हैं जो काफी नहीं है। ऑक्सीजन के मामले में महाराष्ट्र सबसे पहले आत्मनिर्भर होने वाला राज्य बना है। देश के अन्य राज्यों को भी ऑक्सीजन उत्पादन के क्षेत्र में महाराष्ट्र मॉडल का अनुसरण करना चाहिए।देश में अभी कोरोना की तीन कंपनियों की वैक्सीन उपलब्ध हैं जो पर्याप्त नहीं हैं। सीरम इंस्टीट्यूट की कोवोशिल्ड ही बड़ी मात्रा में उत्पादित हो रही है। भारत बायोटेक की कोवैक्सीन का उत्पादन अभी बहुत कम है। रूस की स्पुतनिक वी अभी कम संख्या में ही आयात की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि वैक्सीन ही कोरोना का सबसे बड़ा बचाव का साधन है। मगर सरकार पर्याप्त मात्रा में वैक्सीन उपलब्ध नहीं करवा पा रही है। देश में मात्र 42 करोड़ लोगों को ही अभी तक वैक्सीन की एक डोज लगाई गई है। कोरोना नियंत्रण की दिशा में महाराष्ट्र, राजस्थान, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु ने अभी तक लॉकडाउन के दौरान की गई पाबंदियों को पूरी तरह नहीं हटाया है। इस कारण वहां कोरोना नियंत्रण में बड़ी सफलता मिली है। पर्वतीय राज्य उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश की राज्य सरकारें होटल मालिकों के दबाव में पर्यटकों को लुभाने के लिए कोरोना गाइडलाइन की पालना नहीं करवा पा रही हैं। जो पूरे देश के लिए परेशानी का सबब बन सकता है। देश के लोगों को अभी भी कोरोना गाइडलाइन का पूरी तरह पालन करना चाहिए ताकि सभी के सहयोग से कोरोना को मात दी जा सके।

कोरोना अभी गया नहीं है, जिस तरह की लापरवाही हो रही है वह देश को भारी पड़ सकती है

रमेश सर्राफ धमोरा

कोरोना की दूसरी लहर के बाद किए गए सीरो सर्वे में देश के 68 फीसदी लोगों में एंटीबॉडी पाई गई है। इसमें वो लोग भी शामिल हैं जिन्हें टीका लगाया जा चुका है। इसके बावजूद प्रतिदिन नये कोरोना मरीजों के आंकड़ों का 40 हजार के आसपास रुक जाना किसी खतरे की घंटी से कम नहीं है।विश्व स्वास्थ्य संगठन व दुनिया के बड़े वैज्ञानिक व चिकित्सा विशेषज्ञ सभी देशों को लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि वह अपने यहां लगाई गई पाबंदियों में ढील ना दें। दुनिया भर में जल्दी ही कोरोना की तीसरी लहर आने वाली है। कई देशों में तो कोरोना की तीसरी लहर प्रारंभ भी हो चुकी है। विशेषज्ञों का कहना है कि तीसरी लहर में कोरोना का वायरस पहले से ज्यादा प्रभावी होगा, जिसके बड़े दुष्परिणाम देखने को मिल सकते हैं। ब्रिटेन, अमेरिका, रूस समेत कई बड़े देशों में कोरोना के बढ़ते आंकड़े भारत के लिए चिंता बढ़ाने वाले हैं। दुनिया भर में कोरोना वैक्सीन लगाए जाने के बावजूद जिस तेजी से कोरोना संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं। उससे इस बात के संकेत मिल रहे हैं कि कोरोना की तीसरी लहर शुरू हो चुकी है।केरल में कोरोना संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में केरल सरकार की ओर से बकरीद पर लॉकडाउन में ढील दिए जाने पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताई व जमकर फटकार लगाते हुए कहा कि यह अफसोस की बात है कि राज्य सरकार व्यापारी संगठनों के दबाव में आ गई। उन इलाकों में भी दुकान खोलने की अनुमति दी जहां कोरोना दर 15 फीसदी से अधिक है और लोगों की जान को खतरे में डाल दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केरल सरकार ने बकरीद के अवसर पर इस तरह की छूट देकर देश के नागरिकों के लिए राष्ट्रव्यापी महामारी के जोखिम को बढ़ा दिया है।कोरोना की दूसरी लहर के बाद किए गए सीरो सर्वे में देश के 68 फीसदी लोगों में एंटीबॉडी पाई गई है। इसमें वो लोग भी शामिल हैं जिन्हें टीका लगाया जा चुका है। इसके बावजूद प्रतिदिन नये कोरोना मरीजों के आंकड़ों का 40 हजार के आसपास रुक जाना किसी खतरे की घंटी से कम नहीं है। विशेषज्ञों ने चिंता जताते हुए कहा है कि कोरोना के आंकड़े जिस तरह से स्थिर हो गए हैं। उसे देखने के बाद संभावना है कि आंकड़ों में बहुत जल्दी बढ़ोत्तरी देखने को मिले। देश के 13 राज्यों में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में बढ़ोत्तरी दर्ज की जा रही है। केरल, आंध्र प्रदेश, ओडिशा के अलावा पूर्वोत्तर के कई राज्यों में जिस तेजी से कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं वो डराने वाले हैं।देश में अभी प्रतिदिन 40 हजार कोरोना के नए केस मिल रहे हैं। जबकि देश में पहली बार संपूर्ण लॉकडाउन लगा था तब मात्र 85 कोरोना पॉजिटिव केस मिले थे। उससे तुलना करें तो वर्तमान स्थिति बहुत चिंताजनक है। देश में अभी तक तीन करोड़ नौ लाख के करीब कोरोना पॉजिटिव केस मिल चुके हैं। जिनमें से तीन करोड़ पांच लाख यानी 99 प्रतिशत कोरोना पॉजिटिव केस रिकवर हो चुके हैं। वही 4 लाख 20 हजार लोगों की कोरोना से मौत हो चुकी है जो एक प्रतिशत है। देश में अभी तक कोरोना के 35 करोड़ नमूने लेकर उनकी जांच की जा चुकी है। वर्तमान में भी प्रतिदिन 17 से 18 लाख कोरोना के नमूनों की देश में जांच की जा रही है।

पूर्वोत्तर के आठ प्रदेशों में कोरोना पॉजिटिव केसों में एकाएक बढ़ोतरी होना बड़ी चिंता का विषय है। कोरोना की पहली लहर में पूर्वोत्तर के आठ प्रदेश कोरोना से ज्यादा प्रभावित नहीं हुए थे। मगर इस बार वहां कोरोना का काफी प्रभाव देखने को मिल रहा है। अभी देश में कोरोना से प्रतिदिन होने वाली मौत का आंकड़ा 500 से अधिक है। कोरोना की दूसरी लहर गुजर जाने के बाद भी लगातार 40 हजार से अधिक पॉजिटिव केसों का मिलना व 500 लोगों की प्रतिदिन मौत पर काबू नहीं हो रहा है। ऐसे में यदि कोरोना की तीसरी लहर आ जाती है तो स्थिति एक बार फिर बिगड़ सकती है। कोरोना की दूसरी लहर में पूरे देश ने देखा था कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में सरकार पूरी तरह फेल हो गई थी। देश में ऑक्सीजन को लेकर हाहाकार मचा था। यहां तक कि पानी के जहाजों से विदेशों से भी ऑक्सीजन मंगवानी पड़ी थी। दूसरी लहर के बाद देश के सरकारी व निजी अस्पतालों में तेजी से ऑक्सीजन गैस प्लांट लगाए जा रहे हैं जो काफी नहीं है। ऑक्सीजन के मामले में महाराष्ट्र सबसे पहले आत्मनिर्भर होने वाला राज्य बना है। देश के अन्य राज्यों को भी ऑक्सीजन उत्पादन के क्षेत्र में महाराष्ट्र मॉडल का अनुसरण करना चाहिए।

देश में अभी कोरोना की तीन कंपनियों की वैक्सीन उपलब्ध है जो पर्याप्त नहीं हैं। सीरम इंस्टीट्यूट की कोवोशिल्ड ही बड़ी मात्रा में उत्पादित हो रही है। भारत बायोटेक की कोवैक्सीन का उत्पादन अभी बहुत कम है। रूस की स्पुतनिक वी अभी कम संख्या में ही आयात की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि वैक्सीन ही कोरोना का सबसे बड़ा बचाव का साधन है। मगर सरकार पर्याप्त मात्रा में वैक्सीन उपलब्ध नहीं करवा पा रही है। देश में मात्र 42 करोड़ लोगों को ही अभी तक वैक्सीन की एक डोज लगाई गई है। कोरोना नियंत्रण की दिशा में महाराष्ट्र, राजस्थान, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु ने अभी तक लॉकडाउन के दौरान की गई पाबंदियों को पूरी तरह नहीं हटाया है। इस कारण वहां कोरोना नियंत्रण में बड़ी सफलता मिली है। पर्वतीय राज्य उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश की राज्य सरकारें होटल मालिकों के दबाव में पर्यटकों को लुभाने के लिए कोरोना गाइडलाइन की पालना नहीं करवा पा रही हैं। जो पूरे देश के लिए परेशानी का सबब बन सकता है। देश के लोगों को अभी भी कोरोना गाइडलाइन का पूरी तरह पालन करना चाहिए ताकि सभी के सहयोग से कोरोना को मात दी जा सके।

गांव-कस्बों में जान जोखिम में डाल रहे हैं पत्रकार

संजय वर्मा

मीडिया शिक्षण संस्थानों में पत्रकारिता से जुड़े खतरों के बारे में प्रायः नहीं पढ़ाया जाता। वहां नए पत्रकारों की पीढ़ी जिन खतरों के बारे में थोड़ी-बहुत समझ बना पाती है, वह नौकरी बचाने के उपायों तक सीमित रहती है। हालांकि यह स्किल कोरोना काल में उन पत्रकारों के काम जरूर आई होगी, जो छंटनी के तमाम दबावों के बीच अपनी रोजी-रोटी बचाने में कामयाब हुए हैं। इससे इतर पत्रकारों के लिए जो वास्तविक खतरे हैं, उनका अहसास रॉयटर्स के वरिष्ठ फोटो जर्नलिस्ट दानिश सिद्दीकी की अफगानिस्तान में सुरक्षा बलों और तालिबान लड़ाकों के बीच संघर्ष में हुई मौत से होता है।

अफगानिस्तान उन देशों की सूची में है, जहां पत्रकारों की जिंदगी वैसे भी खतरे में बताई जाती रही है। दानिश ऐसे खतरों से अनजान नहीं रहे होंगे। रोहिंग्या शरणार्थी संकट की कवरेज के लिए फीचर फटॉग्रफी का पुलित्जर सम्मान (2018) अपने नाम करने वाले दानिश अफगानिस्तान से पहले इराक की जंग, नेपाल भूकंप और हॉन्गकॉन्ग के विरोध प्रर्दशनों को कवर कर चुके थे।

पत्रकार जो तमाम खतरे पेशागत मजबूरियों के चलते उठाता है, वैसी चुनौतीपूर्ण स्थितियां अन्य नौकरियों में या तो होती ही नहीं या फिर उनकी स्पष्ट व्याख्या और उपचार की व्यवस्था पहले से की जाती है। किसी निर्माणाधीन बिल्डिंग में साइट इंजीनियर से लेकर सामान्य कर्मचारियों और मजदूरों तक को वे जरूरी उपकरण दिए जाते हैं, जिनसे उनकी जान बच सकती है। फिर भी कोई दुर्घटना होती है तो नौकरी की शर्तों के तहत उनके उपचार, मुआवजे और पुनर्वास आदि का पूरा इंतजाम होता है। पत्रकारिता के साथ ऐसा नहीं होता। करीब 25 बरस पूर्व उत्तराखंड आंदोलन के दौरान जब मैं देहरादून से प्रकाशित एक दैनिक में काम कर रहा था, एक ऐसा मौका आया जब मेरे कई पत्रकार साथियों को पुलिस की लाठियां खानी पड़ीं। कई के हाथ-पांव टूटे और महीनों बिस्तर से लगे रहना पड़ा। यह ऐसा खतरा था, जिसके बारे में हमें पत्रकारिता के पाठ्यक्रम में बताया-सिखाया नहीं गया था। बाद में ऐसे कई अन्य जोखिमों का पता लगा, लेकिन इन सबसे बीच यह अहसास भी जिंदा रहा कि ऐसे ज्यादातर खतरे पत्रकारिता के अलिखित कायदों का जरूरी हिस्सा हैं। यह भी मालूम पड़ा कि ये खतरे पत्रकार इसलिए उठाते हैं क्योंकि उनके लिए यह महज नौकरी नहीं, बल्कि उनके जुनून (पैशन) का हिस्सा है।

कोरोना काल की ही बात करें तो दफ्तर आने-जाने या रिपोर्टिंग करने के क्रम में वायरस की चपेट में आकर सैकड़ों पत्रकारों ने जान गंवाई है। इंस्टियूट ऑफ पर्सेप्शन स्टडीज के मुताबिक अप्रैल, 2020 से मई, 2021 के बीच देश में 238 पत्रकार रिपोर्टिंग की पेशागत विवशता के कारण कोरोना की चपेट में आने से जान गंवा बैठे। नेटवर्क ऑफ विमिन इन मीडिया की रिपोर्ट कहती है कि ऐसी मौतों की संख्या कम से कम 300 है। इसी साल अप्रैल में हर दिन औसतन तीन और मई में औसतन हर दिन चार पत्रकार कोरोना के कारण जान से हाथ धो बैठे। ये आंकड़े ज्यादातर शहरों के नामी मीडिया संगठनों में काम करने वाले पत्रकारों के है। गांव-कस्बों में और पे-रोल पर नहीं आने वाले छिटपुट मीडिया संस्थानों में काम करने वाले और स्वतंत्र काम करने वाले शायद कई सौ पत्रकारों का कहीं कोई जिक्र नहीं मिलेगा।

इन मौतों का संज्ञान लेते हुए प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया ने पिछले साल सितंबर से इस साल अप्रैल तक सभी राज्य सरकारों को चिट्ठियां भेजकर उनसे अपील की थी कि पत्रकारों को फ्रंटलाइन कोरोना वॉरियर्स माना जाए। तब कहीं जाकर कुछ राज्य सरकारों ने उन्हें कोरोना वॉरियर्स माना और मृत पत्रकारों के परिवारों की मदद शुरू की।

ज्यादा चिंता इसकी है कि गांव-कस्बों में अपनी जान जोखिम में डालकर पत्रकारिता का दायित्व निभाते हुए मौत को गले लगाने वाले पत्रकारों के नाम भी हम शायद कभी न जान पाएं। जन-सरोकारों और देश-दुनिया की सारी फिक्रें अपने सिर ओढ़ने वाले लोकतंत्र के इस चौथे स्तंभ को ढहने से बचाना है तो किसी न किसी को कुछ चिंता पत्रकार-कौम की करनी होगी।

थियेटर कमांड पर क्यों नहीं बन रही है बात

रंजीत कुमार

तीनों सेनाओं के 17 क्षेत्रीय कमांड का आपस में विलय कर उन्हें पांच थियेटर कमांड में पुनर्गठित करने की पिछले कुछ दिनों से चल रही कवायद को लेकर तीनों सेनाओं के मुख्यालयों और आला अधिकारियों में जम कर बहस चल रही है। खासकर जब से भारत के प्रधान सेनापति (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत ने यह कहा है कि वायुसेना की भूमिका थलसेना की सहायक की होती है, वायुसेना के अधिकारी भननए हुए हैं। वायुसेना की भूमिका को इस तरह गौण बताए जाने से यह बात भी उजागर हुई है कि थियेटर कमांड के गठन को लेकर तीनों सेनाओं में वैचारिक, अवधारणात्मक और रणनीतिक मसलों पर आम सहमति अभी नहीं बनी है। सीडीएस के बयान से यह भी उजागर होता है कि साझा थियेटर कमांड की एकीकृत युद्ध रणनीति तैयार नहीं हुई है। अन्यथा सीडीएस वायुसेना की भूमिका को गौण नहीं बताते और वायुसेना प्रमुख को इसका तीव्र प्रतिवाद करने की जरूरत नहीं पड़ती।

थियेटर कमांड बनाने को लेकर सेनाओं के बीच अंतर्कलह ऐसे वक्त सार्वजनिक हुई है, जब पूर्वी लद्दाख के सीमांत इलाकों पर भारत और चीन के सैनिक हर तरह की शस्त्र प्रणालियों के साथ आमने-सामने तैनात हैं। ऐसे हालात में तीनों सेनाओं के बीच दुश्मन देश पर हमले की समुचित एकीकृत रणनीति का अभाव भी स्पष्ट तौर पर दिख रहा है। चीन के साथ युद्ध छिड़ा तो वायुसेना की केवल सहायक भूमिका ही नहीं होगी। निस्संदेह उससे यह उम्मीद की जाएगी कि उसके राफेल और सुखोई-30 लड़ाकू विमान दुश्मन देश में हजारों किलोमीटर भीतर घुसकर हमला करें और उसके सैन्य, राजनीतिक और आर्थिक ठिकानों को तहस-नहस करें। थलसेना की भूमिका जरूर केवल जमीनी सीमाओं की रक्षा तक सीमित होगी, वायुसेना सीमा पार के ठिकानों को निशाना बनाते हुए दुश्मन देश की आक्रमण क्षमता को नष्ट करने की भूमिका निभाएगी। सबको पता है कि 1999 के करगिल युद्ध में वायुसेना की भूमिका से ही पासा पलटा था। 1962 के भारत-चीन युद्ध में यदि वायुसेना का समुचित इस्तेमाल किया गया होता तो भारत-चीन रिश्तों का इतिहास कुछ और होता।

अपनी जगह यह बात सही है कि युद्ध में जीते गए जमीनी और समुद्री इलाकों पर कब्जा बनाए रखने के लिए थलसेना और नौसेना को ही दायित्व निभाना होता है, लेकिन युद्ध छिड़ने की हालत में थलसेना अपने कदम दुश्मन के इलाके में तभी बढ़ा पाती है, जब उस इलाके के आसमान पर वायुसेना का दबदबा होता है। चीन और अमेरिका ने थियेटर कमांडों की जरूरत इसलिए महसूस की है कि नई-नई तकनीक से सेनाओं के हथियारों की मारक क्षमता बढ़ते जाने के साथ ही तीनों सेनाओं की एक-दूसरे पर निर्भरता बढ़ती जा रही है। आज के युग में कोई भी सेना अकेले दुश्मन से मुकाबला नहीं कर सकती। मसलन, चीन से लगे इलाकों में युद्ध छिड़ता है तो थलसेना को दुश्मन पर हावी होने के लिए वायुसेना के साथ तालमेल से रणनीति बनानी होगी। इसी तरह समुद्री इलाके में दुश्मन के युद्धपोत घुस गए हों तो नौसेना की भूमिका बढ़ जाएगी। चीन और अमेरिका की तर्ज पर थियेटर कमांड बनाने का प्रस्ताव भारत में लंबे अर्से से विचाराधीन है, लेकिन तीनों सेना मुख्यालयों को इस विलय प्रक्रिया को हरी झंडी दिखाने में इसलिए परेशानी हो रही है कि उन्हें लगता है, इससे उनकी स्वतंत्र पहचान खत्म होने का खतरा है।बहरहाल, थियेटर कमांड बनने से तीनों सेनाओं के संसाधनों का क्षेत्रीय स्तर पर विलय हो जाएगा। जब तीनों सेनाओं का संयुक्त कमांड बन जाएगा, तब इसका एक साझा कमांडर होगा जो अपने स्तर पर निणय्र लेकर सेना के जमीनी और हवाई संसाधन संभालने वाले अफसरों को फौरन कार्रवाई शुरू करने में मदद करेगा। यही वजह है कि 17 कमांडों में बंटी तीनों सेनाओं को क्षेत्रीय स्तर पर पांच संयुक्त थियेटर कमांडों में विभाजित कर नया एकीकृत ढांचा खड़ा करने की कवायद तेज हो गई है। फिलहाल थलसेना के सात, वायुसेना के सात और नौसेना के तीन क्षेत्रीय कमांड हैं, जो स्वतंत्र तौर पर गठित हैं। तीनों सेनाओं के अधिकारी एक-दूसरे के अधीन नहीं होते। इससे आदेशों के पालन में देरी होती है। तीनों सेनाओं के 17 कमांडों के अलावा दो साझा कमांड (अंडमान व निकोबार कमांड और स्ट्रैटिजिक कमांड) कुछ सालों से चल रहे हैं। इनके गठन से हासिल अनुभवों को बाकी सैन्य थियेटर कमांडों पर उतारने को लेकर सैन्य मुख्यालयों में आम राय तो है लेकिन ऐसा किस तरह करें, इसे लेकर विवाद है। चीन और पाकिस्तान सीमा से लगे इलाकों की रक्षा के लिए तीन जमीनी थियेटर कमांड बनाने का प्रस्ताव है। नॉर्दर्न थियेटर जो कि जम्मू कश्मीर, लद्दाख और मध्य क्षेत्र की जिम्मेदारी संभालेगा, वेस्टर्न थियेटर जो पाकिस्तानी सीमा की जिम्मेदारी संभालेगा और इस्टर्न थियेटर जो अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम के इलाकों की जिम्मेदारी संभालेगा। इसके अलावा समुद्री इलाकों की रक्षा के लिए मैरीटाइम थियेटर कमांड और लड़ाकू विमानों, बैलिस्टिक व परमाणु मिसाइलों से बचाव के लिए एयर डिफेंस कमांड के गठन का प्रस्ताव है। इन साझा कमांडों के गठन के बाद थलसेना और वायुसेना के संसाधनों को साझा ऑपरेशनल भूमिका में लाना होगा जब कि मैरीटाइम कमांड को अपने युद्धपोतों के साथ तालमेल के लिए समुद्री लड़ाकू विमानों और टोही विमानों को साथ उतारना होगा। इसमें किसी सेना की भूमिका को अहम और किसी को गौण मानकर नहीं चला जा सकता। सीमांत रणक्षेत्र को एक साझा थियेटर के तौर पर मानकर सेनाओं की शस्त्र प्रणालियों की एकीकृत तैनाती के लिए संयुक्त सैन्य कमांड बनाने की जरूरत है।

बरसात के साइड इफेक्ट

डॉ अश्वनी कुमार मल्होत्रा

यूं तो हर वर्ष देश में मॉनसून के आने का बेसब्री से इंतज़ार होता है , पर इस वर्ष भीष्म गर्मी ने देश के मैदानी भागो में त्राहि त्राहि मचा दी और देश का हर वासी बरसात की इंतज़ार कर रहा था और जैसे ही रिमझिम बरसात का आगमन हुआ तो तापमान तेज़ी के साथ गिर गया, किसानो के चेहरे पर मुस्कान छा गए और इन राहत की बूंदों के साथ ढेर सारी आफत हर साल की तरह भी आ गए । जी हां, मैं बात कर रहा हूँ इस रिकॉर्ड तोड़ बरसात के साइड इफेक्ट्स के बारे में। देश के विभिन्न भागो में बाढ़ से कई लोग अपनी जान गवा बैठे, लाखों लोग बेघर हो गए, मकान ढह गया, फसल को नुक्सान हुआ और जान माल का करोरों का नुक्सान हुआ, जन जीवन प्रभावित हुआ, आवा जाई अवरुद्ध हो गई, पुल और सड़के टूट गए, कही खुले हुए गट्टर से किसी के गिरने से जान चली गई और हर साल की तरह बीमारियों का खतरा बरक़रार बना हुआ है । जी हाँ, हर साल की तरह मानसून अपने साथ कई वेक्टर जनित रोग और जलजनित रोग के इलावा कई तरह की चमड़ी के रोग ले आती हैं जिंनसे देश के हर वर्ग के लोग प्रभावित हो जाते है और कई बार तो महामारी या स्थानिक के रूप में फ़ैल जाती है। बरसात से और इसके बाद शहर के निचले क्षेत्रों में पानी भर जाने, सड़को में पड़े गड़े, कंस्ट्रक्शन साइट पर गड़े खोदने से, घरो और दफ्तरों में कूलरों व ऐसी, घर, दफ्तर, फैक्ट्री की छत पर या कही पर खुले में कोई खाली बर्तन, बाल्टी या कंटेनर और वाहन के टायर वगैरह, यहाँ तक की पक्षियों को अनाज और पानी के मिटी के बने बर्तन में अगर कई दिनों तक पानी खड़ा रहा हो तो इसमें मच्छर अपने अंडे दे देता है जो कुछ ही दिनों में और मच्छर के रूप में इंसान को एक दुसरे से डंक मार कर मलेरिया, डेंगू और चिकिनगुन्या जैसी बिमारियों को फैलाते है। एक छोटे सा चमच भर पानी भी काफी है की अगर कई दिनी तक ऐसे ही पड़ा रहे तो उसमे मच्छर अपने अंडे दे सकता है जो बाद में मच्छर बन जाते है। गमिर्यों और बरसातों के मौसम के दौरान हवा में नमी बढ़ जाती है तो प्यास बड़ जाती है जिसे हम पानी या कोई अन्य पय जल से बुझाते है और अगर दूषित पानी या उस पानी के पीने से और कोई सब्ज़ी या फल धोये बिना या ऐसे ही प्रदूषित पानी से धो कर खा ले तो हो सकता है।

श्रीलंका का सूपड़ा साफ नहीं कर पाया भारत, तीसरे वनडे में तीन विकेट से मिली हार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और श्रीलंका के बीच खेली जा रही तीन मैचों की वनडे सीरीज के आखिरी मुकाबले में श्रीलंका ने भारत को 3 विकेट से हराकर क्लीन स्वीप करने से रोक दिया। अविष्का फर्नांडो और भानुका राजपक्षा की शतकीय साझेदारी की मदद से श्रीलंका ने तीसरे और अंतिम वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट मैच में जीत दर्ज की।

भारत ने सीरीज 2.1 से अपने नाम की। पहले दो मैच जीतने के बाद भारतीय टीम पांच नए चेहरों और छह बदलाव साथ मैदान पर उतरा। भारत ने बारिश के व्यवधान तक 23 ओवर में 147 रन बनाए थे लेकिन दोबारा खेल शुरू होने

पर जब मैच 47 ओवर का कर दिया गया तो भारत ने 68 रन के अंदर बाकी सात विकेट गंवा दिए। भारतीय टीम 43ण्1 ओवर में 225 रन पर आउट हो गई।

श्रीलंका को इस तरह से डकवर्थ लुईस पद्धति से 47 ओवर में 227 रन का लक्ष्य मिला। फर्नांडो ;98 गेंदों पर 76 रनद्ध और राजपक्षा ;56 गेंदों पर 65 रनद्ध ने दूसरे विकेट के लिए 109 रन जोड़े। भारतीयों ने पांच कैच छोड़े जिसका फायदा श्रीलंका को मिलना स्वाभाविक था। श्रीलंका ने 39 ओवर में सात विकेट पर 227 रन बनाए। भारत की तरफ से पृथ्वी शॉ ;49 गेंदों पर 49 रनद्धए अपना पहला मैच खेल रहे संजू सैमसन ;46 गेंदों पर 46 रनद्ध और सूर्यकुमार यादव ;37 गेंदों पर 40 रनद्ध ने प्रभावशाली शुरुआत की लेकिन तीनों बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। शॉ और सैमसन ने दूसरे विकेट के लिए74 रन की साझेदारी की। श्रीलंका की तरफ से लेग स्पिनर अकीला धनंजय ;44 रन देकर तीनद्ध और और बाएं हाथ के स्पिनर प्रवीण जयविक्रमा ;59 रन देकर तीनद्ध ने भारतीय पारी समेटने में अहम भूमिका निभाई।भारतीय स्पिनरों में राहुल चाहर ;54 रन देकर तीनद्ध ने प्रभावित किया। भारत ने भी पांचवें ओवर से दोनों छोर चाहर और कृष्णप्पा गौतम ;49 रन देकर एकद्ध के रूप में स्पिन आक्रमण लगा दिया था। यह इन दोनों का डेब्यू वनडे मैच था। गौतम ने इंटरनेशनल क्रिकेट में अपने पहले ओवर में ही मिनोद भानुका ;सातद्ध का विकेट लिया। डेब्यू कर रहे एक अन्य गेंदबाज चेतन सकारिया ;34 रन देकर दोद्ध ने स्क्वायर लेग पर उनका कैच लिया। लेकिन इसके बाद फर्नांडो और राजपक्षा ने सहजता से बल्लेबाजी की।

साउथ अफ्रीका के कप्तान तेंबा बवूमा के हरकत के लिए बीसीसीआई ने लगाई उन्हें कड़ी फटकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका टीम इन दिनों आयरलैंड के खिलाफ लिमिटेड ओवरों की सीरीज खेल रही है। पहले वनडे उलटफेर का शिकार हुई अफ्रीकी टीम ने वनडे सीरीज ड्रॉ कराया और अब टी.20 सीरीज पर कब्जा कर लिया है। लेकिन साउथ अफ्रीका के कप्तान तेंबा बवूमा मुश्किल में फंस गए हैं। उन्हें आईसीसी की कोड ऑफ कन्डक्ट का लेवल.1 के उल्लंघन के कारण कड़ी फटकार लगी है। बवूमा को आईसीसी की कोड ऑफ कंडक्ट की अनुच्छेद 2ण्3 जो की खिलाड़ी और प्लेयर सपोर्ट पर्सनेलए जो श्इंटरनेशनल मैच के दौरान अभद्र भाषा के उपयोगश् से संबंधित है। अनुच्छेद 2ण्3 को आम भाषा में हम ऐसे समझ सकते है कि इस अनुच्छेद में आमतौर पर ज्ञात और समझे जाने वाले शब्दों के उपयोग को शामिल

किया गया है जो आपत्तिजनकए अश्लील या किसी भाषा में अपवित्र हैं और जिन्हें दर्शक और देखने वाली जनता स्टंप माइक्रोफोन के माध्यम से सुन सकती है। कप्तान बवूमा के खाते में एक डिमेरिट प्वाइंट भी जोड़ दिया गया है। दक्षिण अफ्रीका की पारी के छठे ओवर में ये घटना घटीए जब विकेटकीपर के हाथों कैच होने के बाद बवूमा कुछ आपत्तिजनक शब्द बोलते पाए गए। बवूमा ने एमिरेट्स आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी के केविन गैलाघर द्वारा प्रस्तावित मंजूरी को स्वीकार कर लिया और आईसीसी क्रिकेट संचालन विभाग द्वारा कोविड.19 अंतरिम खेल नियमों के अनुसार इसे कंफर्म भी किया और इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं थी।

वर्ल्ड क्रिकेट में भारत की गहराई पर बोले हार्दिक पंड्या. हम 2 और टीम चुनकर कोई भी टूर्नामेंट जीत सकते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम फिलहाल एक ही समय पर दो इंटरनेशनल सीरीज खेल रही है। एक टीम विराट कोह?ली की कप्तानी में इंग्लैंड दौरे पर हैए जहां टीम को चार अगस्त से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है जबकि दूसरी टीम शिखर धवन की कप्तानी में श्रीलंका दौरे पर लिमिटेड ओवरों की सीरीज खेल रही है। एक ही समय पर दो इंटरनेशनल टीम का चयन करने के बाद भी भारत दो और टीम का चयन कर सकता है और वर्ल्ड में कोई भी टूर्नामेंट जीत सकता है। ऐसा टीम इंडिया के ऑलराउंडर

हार्दिक पंड्या का मानना है। 2016 में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू करने वाले पंड्या ने वर्ल्ड क्रिकेट में भारत की गहराई की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि भारत दो और टीम उतार सकता है और दुनिया में कोई भी टूर्नामेंट जीत सकता है। भारतीय टीम श्रीलंका दौरे पर पहले ही तीन मैचों की वनडे सीरीज अपने नाम कर चुकी है और तीसरे वनडे में पांच भारतीय खिलाड़ियों ने डेब्यू किया।

दीपदास गुप्ता ने बताया, रिप्लेसमेंट के तौर पर भुवनेश्वर कुमार समेत तीन खिलाड़ियों को भेजा जाना चाहिए इंग्लैंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ 4 अगस्त से शुरू हो रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले टीम इंडिया की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। शुभमन गिल के सीरीज से बाहर होने के बाद काउंटी सिलेक्ट इलेवन के खिलाफ खेले गए तीन दिवसीय प्रैक्टिस मैच में वॉशिंगटन सुंदर और आवेश खान भी चोटिल हो गए हैं। दोनों ही खिलाड़ियों का इस टूर से बाहर होना लगभग तय माना जा रहा है। ऐसे में सिलेक्टर्स कुछ प्लेयर्स को इंग्लैंड भेजने पर विचार

कर सकते हैं। भारत के पूर्व विकेटकीपर दीपदास गुप्ता के मुताबिक दीपक चाहर और भुवनेश्वर कुमार को उनकी स्विंग गेंदबाजी को देखते हुए इंग्लैंड भेजा जाना चाहिए। अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए दीपदास गुप्ता ने कहाए श्आवेश खान के बाहर होने के बाद चाहे वह नेट गेंदबाज ही थेए दीपक चाहर और भुवनेश्वर कुमार को भेजना का यह अच्छा मौका है। दोनों ही स्विंग गेंदबाज हैं और अच्छी फॉर्म में भी मौजूद हैं और इंग्लिश कंडिशंस का फायदा भी उठा सकते हैं। वह सफेंद गेंद को स्विंग करा रहे हैं तो यकीनन वह दोनों इंग्लैंड में ड्यूक बॉल को स्विंग कराने में सफल रहेंगे। पिछले कुछ समय से ओपनर्स को लेकर काफी डीबेट चल रही हैए लेकिन मुझे लगता है कि जिस तरह की फॉर्म में पृथ्वी शॉ हैं वह एक शानदार चॉइंस होंगे। जाहिर तौर पर अभिमन्यु मौजूद हैए मयंक अग्रवाल और रोहित शर्मा हैए लेकिन पृथ्वी शॉ को भेजना कोई बुरा आइडिया नहीं है।एक खबर के मुताबिकए भुवनेश्वर कुमार को इंग्लैंड भेजने पर विचार किया जा रहा है। टीम मैनेजमेंट ने इससे पहले पृथ्वी शॉ और देवदत्त पडिडकल को इंग्लैंड भेजने की अपील की थीए लेकिन बोर्ड ने उसे ठुकारा दिया था। बीसीसीआई के लिए हालांकि अपने खिलाड़ियों को श्रीलंका से इंग्लैंड भेजना आसान नहीं होगा। खबरों में कहा गया है कि इंग्लैंड जाने वाले खिलाड़ियों में भुवनेश्वर भी एक हो सकते है।

विधायक ने वितरण किया पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना का राशन

गरीबो के हित को संकल्पित भाजपा सरकार ः विधायक

अखंड भारत संदेश

कोरॉव/प्रयागराज। स्थानीय विधायक राजमणि कोल ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री गरीब जन कल्याण योजना का शुभारंभ किया।

विधायक द्वारा नगर पंचायत में हिमांशु जायसवाल एवं तराव में राधेश्याम कुशवाहा ,बढवारी एवम नेवढ़िया गांव की सरकारी दुकानों पर अंत्योदय लाभाथिर्यों को योजना के तहत राशन का वितरण लाभाथिर्यों को किया । विधायक ने कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना को लेकर केंद्र

एवं प्रदेश की भाजपा सरकार लगातार गरीबों को निशुल्क खाद्यानन उपलब्ध करा रहे ताकि गरीबों को जीवन यापन में किसी तरह की कोई असुविधा ना हो।

नगर पंचायत के चेयरमैन नरसिंह केसरी ने कहा कि भाजपा सरकार लगातार गरीबों के हित में काम कर रही है ।नगर पंचायत की प्रभावती देवी ,रामदुलारी, मदीना बेगम सहित कई अन्य लाभाथिर्यों में निःशुल्क राशन पाने के बाद खुशी देखी गयी ।सरकार द्वारा अंत्योदय कार्डधारकों को 5 किलो प्रति यूनिट की दर से गेहू और चावल का निशुल्क वितरण किया जा रहा है । क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी विनीत पाण्डेय ने पीएम गरीब जनकल्याण अनन योजना की विस्तार से जानकारी प्रदान की । इस दौरान प्रमुख रुप से उप जिलाधिकारी अभिनव कनौजिया, आपूर्ति निरीक्षक संजय विश्वकर्मा ,बबुआन द्विवेदी ,विधायक पीआरओ रामाश्रय शुक्ला, पंचम लाल मिश्रा,बावन दास केसरी, सुमित कुमार पांडे सहित तमाम अन्य लोग मौजूद रहे ।

शासन की मंशा के अनरूप वन विभाग ने 4 सौ 67 कछुओं को कोठरी गंगा घाट में छोड़ा गया

सिरसा/मेजा। प्रयागराज मेजा क्षेत्र में प्रदेश सरकार द्वारा वन्य जीव संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश के विभिनन स्थानों पर वन्य जीव विहार स्थापित कर इसे वृहद रूप देने का प्रयास किया जा रहा है।इसी कड़ी में वन्य जीव संरक्षण लखनऊ द्वारा ले आए गए 4 सौ 67 कछुओं को वन विभाग मेजा प्रयागराज की ओर से मेजा के कोठरी गंगा घाट में छोड़ा गया।

वन संरक्षण प्रयागराज बी आर अहिरवार ने बताया की शासन की मंशा के अनुरूप लखनऊ से लाए गए कछुए को कोठरी गंगा घाट पर छोड़ा गया।भविष्य में इसे कछुआ वन्य जीव विहार के रूप में विकसित किया जाएगा।इस मौके पर प्रमुख रूप से प्रभारी निदेशक प्रयागराज रमेश चंद्र,वन क्षेत्राधिकारी मेजा कमलेश पांडे, सहित सैकड़ों की संख्या में अधिकारी और ग्रामीण मौजूद रहे।

दिल्ली हाबड़ा रेल लाइन पर मिली अज्ञात महिला की लाश

अखंड भारत संदेश

सिरसा/मेजा। प्रयागराज माण्डारोड दिल्ली हाबड़ा रेल लाइन पर युवती के क्षत विक्षत शव की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव अपने कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिये शहर भेजा। गुरूवार देर रात मांडारोड रेलवे स्टेशन के ट्रैकमैन ने मांडा थाने में मेमो दी कि दिल्ली-हावड़ा रेललाइन पर मांडारोड से दो किलोमीटर पूरब हेमपुर गांव के सामने 35 वर्षीया एक अज्ञात महिला का क्षत-विक्षत शव पड़ा हुआ है। सूचना पर चैकी प्रभारी भारतगंज आशीष कुमार राय दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। महिला आसमानी व नीले लाइन

की साड़ी तथा पीले रंग का पेटीकोट और पैर में पायल पहने थी। पास में कोई भी ऐसा कागजात या टिकट नहीं था, जिससे महिला की शिनाख्त हो पाती। पुलिस ने शव अपने कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिये शहर भेजा। इस घटना से लोगो मे तरह-तरह की चर्चा बना है।

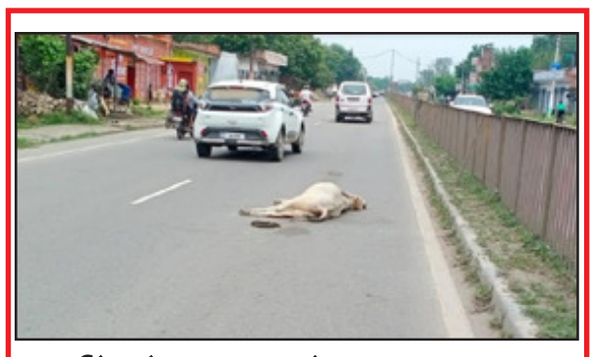

हाईवे पे घूम रहे आवारा पशु दे रहे बड़ी दुर्घटनाओं को दावत

सडकों पर लावारिश घूम रहे हैं मवेशी रोक थाम पर अंकुश लगाने की ब्यवस्था कराएं प्रशासन

अखंड भारत संदेश

भीरपुर/करछना। से मिर्जापुर मार्ग में आए दिन हो रहे हदसो का कारण आवारा पशु है । आए दिन आवारा पशुओं की वजह से हादसे होते रहते है सरकार का ध्यान इन पशुओं पर नहीं जा रहा एक तरफ बीजेपी सरकार गौ रक्षा करने को बोलती है वहीं आए दिन प्रयागराज मिर्जापुर हाईवे पर एक पशु घायल होता है यही नहीं कुछ पशु तो अपनी जान भी गंवा देते है। और आने जाने वाले राहगीरों की भी जान पे बन आती है । रोजाना यहां हादसे होते रहते है ।

पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के आरोपी को दबोचा

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़/प्रयागराज। अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत गुरुवार को एक गैंगस्टर एक्ट के आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। यह गिरफ्तारी यमुनापार के शंकरगढ़ थाने की पुलिस ने की है। गिरफ्त में आए आरोपी के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट समेत कुल सात मामले पंजीकृत हैं।

एसओ कुलदीप कुमार तिवारी ने बताया कि अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के क्रम में गुरुवार को जीतेंद्र बंसल उर्फ जिया धरिकार पुत्र राकेश बंसल (निवासी वार्ड संख्या एक, चिकान टोला, शंकरगढ़) को मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार किया गया। कपारी मोड़ से गिरफ्तार किए गए जीतेंद्र बंसल के खिलाफ शंकरगढ़ थाने में विभिनन धाराओं वाले कुल आधा दर्जन मामले पंजीकृत हैं। इसके अलावा गैंगस्टर का मुकदमा अलग से है। एसओ ने बताया कि जीतेंद्र बंसल काफी समय से फरारी काट रहा था। जीतेंद्र बंसल की गिरफ्तारी में थानाध्यक्ष के साथ कांस्टेबल मोनू राजपूत, सिद्धार्थ मौर्य, महिला कांस्टेबल लक्ष्मी भी मौजूद रहीं।

बारा विधायक ने प्रधानमंत्री कल्याण योजना के तहत आए बैग को लाभार्थियों को बटवाया

घूरपुर। बारा विधायक डॉ अजय कुमार ने गुरुवार के दिन सेमराकलबना गांव के सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान पर अंत्योदय कार्ड धारकों को प्रधानमंत्री कल्याण योजना के तहत आये बैग को लाभार्थियों को वितरित कर अपने सामने राशन बंटवाया । इस बीच विधायक ने कहा कि केंद्र और प्रदेश की सरकार गरीब मजदूरों के हित योजनाएं चलाकर उन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़ने का काम कर रही है ।इस मौके पर कोटेदार रणजीत सिंह पटेल, जिलापंचायत सदस्य सुरेंद्र सिंह पटेल ,लाभार्थी बलकरण, शंकरलाल, मुनन विश्वकर्मा ,कुसुम देवी,जरवी कोल,हजारी लाल,गामा भारतीय,ललू भारतीय आदि कई लोग मौजूद रहे ।

समाजवादी शिक्षक सभा के राष्ट्रीय सचिव को दी बधाई

अखंड भारत संदेश

करछना। श्री बृज मंगल सिंह इंटर कॉलेज रामपुर में कार्यरत शिक्षक चंद्रशेखर सिंह को समाजवादी शिक्षक सभा का राष्ट्रीय सचिव बनाए जाने पर शिक्षकों ने बधाई दी। समाजवादी शिक्षक सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो.बी. पाण्डेय ने उन्हें राष्ट्रीय सचिव नामित किया। प्रधानाचार्य मनीष तिवारी समेत शिक्षकों ने माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया।शिक्षकों ने कहा कि चंद्रशेखर की कार्यकुशलता दक्षता और योग्यता के चलते शिक्षकों की आवाज उठाने में इससे काफी मदद मिलेगी। सभी ने एक-दूसरे का मुंह मीठा कराते हुए खुशी का इजहार किया और बधाई दी।इस मौके पर जितेंद्र कुमार, प्रदीप श्रीवास्तव,सुरेश कुमार,विजय सिंह,रमेश तिवारी,मो.परवेज सिद्दीकी,सुधा सिंह,जगतपाल समेत कई शिक्षक मौजूद रहे।

कप्तान के समक्ष अफसरों ने किया दलबल के साथ वाहनों की चेकिंग

26 वाहन व दो लोगों का बिना मास्क में किया गया चालान

अखंड भारत संदेश

नैनी। डीआईजी/एसएसपी गुरुवार शाम को औद्योगिक क्षेत्र के स?डवा पुलिस बूथ पर दलबल के साथ पहुंचे। कप्तान के पहुंचने पर मातहतों में हड़कंप मच गया। अफसरों के निर्देशों का पालन करते हुए पुलिसकमिर्यों ने आनन-फानन में संदिग्ध वाहनों की चेकिंग की शुरुआत करते हुए कई वाहनों के चालान काटे गए। वहीं सीओ करछना के नेतृत्व में पैदल गस्त भी किया गया। जानकारी के मुताबिक डीआईजी/एसएसपी सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी गुरुवार शाम को दलबल के साथ अचानक औद्योगिक क्षेत्र के स?डवा पुलिस बूथ के समीप पहुंचे और अफसरों के निर्देश पर तैनात मौजूद पुलिस कमिर्यों ने संदिग्ध वाहनों की चेकिंग की शुरुआत की। इस दौरान पुलिसकमिर्यों ने दो व चार पहिया वाहनों की गहन तलाशी की। पुलिस के मुताबिक लगभग 26 दो और चार पहिया वाहनों के चालान किए गए। जबकि दो लोग बिना मास्क पहने पकड़े जाने पर उनसे एक एक-एक हजार रुपए के शमन शुल्क वसूले गए। वहीं कप्तान स्थानीय आला अफसरों को दिशा निर्देश देते हुए वापस लौट गए। इस दौरान एसपी यमुनापार सौरभ दीक्षित मौजूद रहे। आला अफसरों के निर्देशों का पालन करते हुए सीओ करछना राजेश कुमार यादव के नेतृत्व में पैदल गस्त किया गया। इस दौरान औद्योगिक क्षेत्र इंस्पेक्टर अनुपम शर्मा, नैनी कोतवाली से संबंधित एसएसआई सचिंद्र यादव समेत पुलिस फोर्स मौजूद रहे।

भूजल संरक्षण एवं पर्यावरण की रक्षा के लिए जन जागरण अभियान का हुआ समापन

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। नेहरू युवा केंद्र प्रयागराज एवं नमामि गंगे के अंतर्गत 16 से 22 जुलाई तक युवा मंडलों एवं गंगा दूतों ने भूजल संरक्षण एवं पर्यावरण की रक्षा के लिए जन जागरण अभियान चलाया।

भू -जल सप्ताह पर जिला युवा अधिकारी जागृति पांडे ने कहा कि हमें हर हाल में धरती की हरियाली को बढ़ाना होगा। इसके लिए हर व्यक्ति को एक पौधा लगाकर उसकी सुरक्षा करनी होगी। इसी क्रम में जिला परियोजना अधिकारी नमामि गंगे एषा सिंह ने कहा जल, मानव अस्तित्व को बनाए रखने के लिये एक प्रमुख प्राकृतिक संसाधन है।यह न केवल ग्रामीण और शहरी समुदायों की स्वच्छता में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है बल्कि कृषि के सभी रूपों और अधिकांश

औद्योगिक उत्पादन प्रक्रियाओं के लिये भी आवश्यक है। परियोजना अधिकारी ने आगे कहा कि भारत एक गंभीर जल संकट के कगार पर है। मौजूदा जल संसाधन संकट में है, देश की नदियाँ प्रदूषित हो रही है, जल संचयन तंत्र बिगड़ रहे हैं और भूजल स्तर लगातार घट रहा है।देश में जल संरक्षण पर बल देना आवश्यक है त् झीलों, नदियों और समुद्रों जैसे प्राकृतिक जल स्रोत काफी महत्त्वपूर्ण है।

सूखा प्रभावित क्षेत्रों में फसलों के पोषण के लिये अच्छी गुणवत्ता वाली सिंचाई प्रणाली सुनिश्चित की जा सकती त्रेनवाटर हार्वेस्टिंग द्वारा जल का संचयन किया जा सकता है त्उपयुक्त सीवेज सिस्टम साफ और सुरक्षित तरीके से अपशिष्ट जल के निपटान में मदद करते हैं त् वृक्षारोपण अभियान में निर्मल कांत पांडे ,बल्लभ पटेल , पूर्व स्वयं सेवक मुकेश कुमार ,विपुल त्रिपाठी , ओम शिव केसरी , मनीष शुक्ला ने बढ़-चढ़कर उत्साह के साथ हिस्सा लिया त

पेगासस पर हंगामे के बीच 'राजस्थान फोन टैपिंग' केस में गहलोत के ओएसडी को दिल्ली पुलिस ने किया तलब

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने राजस्थान के मुख्यमंत्री के ओएसडी लोकेश शर्मा को शनिवार को पूछताछ के लिए बुलाया है। मामला केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत द्वारा फोन टैप किए जाने की दर्ज कराई गई शिकायत से जुड़ा है। उधर ओएसडी लोकेश शर्मा ने शुक्रवार को भेजे अपने जवाब में क्राइम ब्रांच के सामने उपस्थित होने में असमर्थतता जाहिर की है।

उन्होंने कहाकि वह निजी वजहों से दो हफ्तों तक जयपुर से बाहर जा पाने में सक्षम नहीं हैं। हालांकि उन्होंने कहाकि अगर बहुत जरूरी है तो वह वीडियो कॉल के जरिए पेशी के लिए तैयार हैं। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ओएसडी लोकेश शर्मा को यह नोटिस 19 जुलाई को जारी की गई थी। इसमें

उनसे क्राइम ब्रांच के दिल्ली में रोहिणी स्थित दफ्तर में पूछताछ के लिए हाजिर होने के लिए कहा गया था। दिल्ली पुलिस ने इसी साल मार्च में शर्मा के खिलाफ आपराधिक साजिश का मुकदमा दर्ज किया था। केंद्रीय मंत्री और जोधपुर से भाजपा सांसद गजेंद्र सिंह शेखावत की शिकायत पर दर्ज यह मुकदमा टेलीफोन पर बातचीत को गलत ढंग से रिकॉर्ड के संदर्भ में दर्ज किया गया था। यह फोन टैपिंग विवाद राजस्थान में पिछले साल जुलाई में सामने आया था। शेखावत और कांग्रेस नेताओं के बीच कथित बातचीत का यह ऑडियो सामने आने के बाद खासा बवाल मचा था। राजस्थान के तत्कालीन उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट और 18 कांग्रेस विधायकों ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खिलाफ बगावत कर दिया था।

ऐसे आरोप लगे थे कि राज्य में कांग्रेस सरकार को अस्थिर करने वाली बातचीत का यह ऑडियो लोकेश शर्मा ने जानबूझकर सर्कुलेट किया था। इस ऑडियो क्लिप के आधार पर कांग्रेस नेता महेश जोशी ने स्टेट एसओजी और एंटी करप्शन ब्यूरो में केस दर्ज करवया था। हालांकि इस एफआईआर में यह बात शामिल नहीं थी कि ऑडियो क्लिप में जिसे गजेंद्र सिंह शेखावत बताया जा रहा है, वह केंद्रीय मंत्री शेखावत ही हैं।

बाद में एसओजी ने यह केस बंद कर दिया था। शर्मा ने भी फोन टैपिंग के आरोपों से इंकार कर दिया था। इसके बाद शर्मा ने दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया था। दिल्ली हाई कोर्ट ने पिछले हफ्ते दिल्ली पुलिस को अगली सुनवाई तक शर्मा के खिलाफ कोई एक्शन न लेने का निर्देश दिया था। मामले की अगली सुनवाई 6 अगस्त को है।

कर्नाटकः तो हिल चुकी है येदियुरप्पा की कुर्सी? गैर विवादित चेहरे की तलाश में बीजेपी

बेंगलुरू (एजेंसी)। कर्नाटक में मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा के विकल्प की तलाश कर रही भाजपा गैर विवादित चेहरे को सामने ला सकती है। इस मानक पर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी का नाम प्रमुखता से उभरा है। जोशी संसद सत्र के दौरान ही बेंगलुरु रवाना हुए हैं और वहां पर विधायकों को टटोल रहे हैं। हालांकि राज्य के जातीय समीकरणों में लिंगायत या वोक्कालिगा नेता को प्राथमिकता मिल सकती है। कर्नाटक में येदियुरप्पा के मुख्यमंत्री पद से हटने को तैयार होने के बाद भी भाजपा की दिक्कतें कम नहीं हुई है। क्योंकि उसे अब येदियुरप्पा का विकल्प ढूंढने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। प्रदेश के प्रमुख नेता बसवराज बोम्मई और राष्ट्रीय संगठन

महामंत्री बी.एल. संतोष के नाम भी प्रमुखता से चर्चा में हैं।

सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय नेतृत्व राज्य में ऐसे नेता को लाना चाहता है जो विवादित छवि से बाहर हो। प्रह्लाद जोशी इस कसौटी पर खरे उतरते हैं, लेकिन राज्य के नेताओं पर उनकी पकड़ को लेकर संदेह है। साथ ही जातीय समीकरणों में भी इससे दिक्कत आ सकती है। कर्नाटक की स्थिति को देखते हुए भाजपा नेतृत्व अपने इस फैसले को कुछ दिन के लिए टाल भी सकता है। पार्टी के एक प्रमुख नेता ने कहा है कि अब जबकि येदियुरप्पा हटने के लिए तैयार हो गए हैं, तो आधी समस्या वैसे ही हल हो चुकी है।

आपके फोन में कुछ ओरिजिनल नहीं, क्यों होगी टैपिंग; राहुल गांधी पर बीजेपी का तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी की ओर से फोन टैपिंग का आरोप लगाए जाने के बाद केंद्र में सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने कहा है कि यदि उन्हें यह विश्वास है तो जांच के लिए अपना फोन जमा कराएं। साथ ही यह भी कहा गया है कि मोदी सरकार की ओर से किसी के फोन की अवैध टैपिंग नहीं हो रही है। बीजेपी के प्रवक्ता राज्यवर्धन राठौर ने कहा कि लगातार दो लोकसभा चुनावों में जनता की ओर से खारिज किए जाने के बाद कांग्रेस पार्टी किसी ना किसी वजह से संसद को ठप रखना चाहती है।

राठौर ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष पर तंज कसते हुए कहा, ''यहां तक कि एक 'जूनियर कॉपी राइटर' की भी दिलचस्पी उनके फोन के कंटेंट को कॉपी करने में नहीं होगी, क्योंकि उनके पास देने के लिए कुछ भी ऑरिजनल नहीं है।

कथित पेगासस जासूसी को लेकर मचे हंगामे के बीच राहुल गांधी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि उनके फोन की भी टैपिंग की जा रही है। राहुल गांधी ने इजरायली स्पाइवेयर पेगासस का उपयोग करके भारत के कई प्रमुख व्यक्तियों की कथित तौर पर जासूसी किए जाने को 'राजद्रोह करार देते हुए कहा था कि गृह मंत्री अमित शाह को इस्तीफा देना चाहिए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका की उच्चतम न्यायालय की निगरानी में न्यायिक जांच होनी चाहिए। राठौर ने कहा कि राहुल गांधी को अपना फोन जांच एजेंसी को सौंप देना चाहिए और भारतीय दंड संहिता के तहत जांच होनी चाहिए।

जंतर-मंतर पर 'किसान संसद' का दूसरा दिन, कृषि कानूनों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद में जारी मॉनसून सत्र के साथ-साथ जंतर-मंतर पर आयोजित 'किसान संसद' शुक्रवार को दूसरे दिन भी चली। किसी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने के लिए अर्द्धसैनिक बल और पुलिसकर्मी प्रवेश द्वार पर भारी-भरकम अवरोधकों के साथ प्रदर्शन स्थल पर तैनात किए गए हैं। किसानों का विरोध प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा।

किसानों ने 'किसान संसद' का आयोजन सदन अध्यक्ष हरदेव अर्शी, उपाध्यक्ष जगतार सिंह बाजवा और 'कृषि मंत्री' के साथ किया। किसान संसद में एक घंटे का प्रश्नकाल भी रखा गया था, जिसमें कृषि मंत्री पर सवालों की बौछार की गई, जिन्होंने केंद्र के नये कृषि कानूनों का बचाव करने की पुरजोर कोशिश की। मंत्री ने संसद को बताया कि कैसे पैर फैलाती कोविड वैश्विक महामारी के बीच, किसानों को उनके घरों को लौटने और उनसे टीका लगवाने का अनुरोध किया गया था। हर बार जब मंत्री

संतोषजनक जवाब देने में विफल रहते, सदन के सदस्य उन्हें शर्मिंदा करते, अपने हाथ उठाते और उनके जवाबों पर आपत्ति जताते।बाजवा ने बाद में मीडिया से कहा, ''कृषि मंत्री सवालों के जवाब देने में नाकाम रहे,जिसके चलते संसद के सदस्यों ने मंत्री क शर्मिंदा किया, जिससे बाधा हुई।'' उन्होंने कहा, ''प्रश्न पूछा गया कि जब प्रधानमंत्री ने स्वयं इस तथ्य पर जोर दिया है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य था, यह वर्तमान में भी है और यह रहेगा तो फिर इसे कानून बनाने में क्या समस्या है। अगर सभी तीनों कृषि कानून किसानों के लिए बनाए गए हैं तो उन्हें रद्द करके और किसानों से विचार विमर्श करके दोबारा बनाया जाए। संसद में जारी मॉनसून सत्र के साथ केंद्र के तीन विवादास्पद कृषि कानूनों के खिलाफ विरोध प्रदर्शित करने के लिए 200 किसानों का एक समूह बृहस्पतिवार को मध्य दिल्ली के जंतर-मंतर पहुंचा। दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल ने जंतर मंतर पर अधिकतम 200 किसानों को नौ अगस्त तक प्रदर्शन की विशेष अनुमति दी है। जंतर-मंतर संसद परिसर से महज कुछ मीटर की दूरी पर है।

दिल्ली दंगे : कांग्रेस की पूर्व पार्षद इशरत जहां ने मांगी जमानत, बोली- पुलिस के पास उसके खिलाफ कोई सबूत नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस की पूर्व पार्षद इशरत जहां ने मांगी जमानत, बोली- पुलिस के पास उसके खिलाफ कोई सबूत नहीं पिछले साल फरवरी महीने में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में भड़के साम्प्रदायिक दंगों के मामले में गिरफ्तार कांग्रेस की पूर्व पार्षद इशरत जहां की तरफ से अदालत में जमानत याचिका दायर की गई है। इस याचिका में कहा गया है कि पुलिस के पास इशरत के खिलाफ एक भी सबूत नहीं है। इस मामले में इशरत जहां पर गैर कानूनी गतिविधि(रोकथाम) अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। कड़कड़डूमा कोर्ट स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमिताभ रावत की अदालत में दलील दी गई है कि पुलिस की मंशा आरोपी इशरत जहां को झूठे मामले में फंसाने की ही थी। जांच एजेंसी (पुलिस) के पास यह दिखाने के लिए एक भी सबूत नहीं है कि इशरत का संबंध इन दंगों की साजिश से है। बचाव पक्ष के वकील प्रदीप तेवतिया ने अभियोजन के उन आरोपों पर भी आपत्ति जताई है कि इशरत जहां ने प्रदर्शन और हिंसा के वित्त पोषण में मदद की। बचाव पक्ष के वकील का कहना था कि जब इस तरह के वित पोषण के लिए कोई लेन-देनदारी हुई ही नहीं तो पुलिस ने अदालत में उनकी वित्तीय लेन-देन की जानकारियां कहां से रखीं।

अगले सप्ताह दो दिन की भारत यात्रा पर आएंगे अमेरिकी विदेश मंत्री, पीएम मोदी और जयशंकर से मुद्दों पर होगी बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन 27 और 28 जुलाई को भारत की यात्रा पर आएंगे। इस दौरान वह पीएम नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री एस जयशंकर और एनएसए अजीत डोभाल से मुलाकात करेंगे। विदेश मंत्रालय की ओर से यह जानकारी देते हुए कहा गया है कि ब्लिंकन की भारत यात्रा उच्च स्तरीय वार्ता जारी रखने, भारत-अमेरिका वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने का एक अवसर है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि एंटनी ब्लिंकन पीएम नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात करेंगे और द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे। विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा कि नई दिल्ली की अपनी यात्रा के अलावा, ब्लिंकन 26 से 29 जुलाई तक अपनी विदेश यात्रा के दौरान कुवैत शहर की भी यात्रा करेंगे।

प्राइस ने कहा है कि उनकी आगामी यात्रा साझेदारी को मजबूत करने और उनकी साझा प्राथमिकताओं पर सहयोग को रेखांकित करने के लिए अमेरिका की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।प्राइस ने कहा, ''नई दिल्ली में 28 जुलाई को, ब्लिंकन विदेश मंत्री एस जयशंकर और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलेंगे। इस दौरान कोविड-19 से निपटने के प्रयासों पर निरंतर सहयोग, हिंद-प्रशांत क्षेत्र, साझा क्षेत्रीय सुरक्षा हितों, साझा लोकतांत्रिक मूल्य और जलवायु संकट सहित कई मुद्दों पर चर्चा होगी।'' उन्होंने कहा, ''ब्लिंकन 28 जुलाई को कुवैत की यात्रा करेंगे जहां वह वरिष्ठ कुवैती अधिकारियों के साथ मुलाकात करेंगे ताकि प्रमुख द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा जारी रखी जा सके जो हमारे 60 वर्षों के राजनयिक संबंधों के महत्व को रेखांकित करते हैं।''

महाराष्ट्र में आफत बन टूटी बारिश, रायगढ़ जिले में भूस्खलन से 36 की मौत, 40 मलबे में दबे

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में बारिश काल बनकर बरसी है। गुरुवार से शुरू हुई बारिश के चलते हुए भूस्खलन में रायगढ़ की महाड़ तहसील अब तक 36 लोगों की मौत हो गई है। इसके अलावा अब भी 30 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। इलाके में बीते दो दिनों से रोड और रेल नेटवर्क बाधित है। आवाजाही ठप होने और कनेक्टिविटी न रहने के चलते राहत और बचाव कार्य में भी मुश्किल आ रही है। पुलिस का कहना है कि महाड़ तहसील के तलाई गांव समेत तीन अलग-अलग घटनाओं में ये मौतें हुई हैं। अकेले तलाई गांव से ही अब तक 32 शव निकाले जा चुके हैं। इसके अलावा

साक्षरसुतारवाड़ी गांव से 4 शव निकाले गए हैं।

बचाव कार्य में लगे अधिकारियों का कहना है कि इन गांवों से अब तक 15 लोगों को सुरक्षित निकाला जा चुका है। लेकिन अब भी 30 से ज्यादा लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। इसके चलते मौतों का आंकड़ा बढ़ने का भी डर है। इस बीच होम मिनिस्टर अमित शाह और पीएम नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र के सीएम उद्धव ठाकरे से बात की है और हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया है। इस बीच एनडीआरएफ की टीमें पहुंच गई हैं और बचाव कार्य जारी है। इसके अलावा कुछ इलाकों में एयरफोर्स को भी बचाव कार्य में लगाया गया है। एयरफोर्स ने कई लोगों को एयरलिफ्ट करके निकाला भी है। पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार दोपहर को महाराष्ट्र में हुई घटनाओं को लेकर ट्वीट भी किया। पीएम नरेंद्र मोदी ने लिखा, 'रायगढ़ में भूस्खलन के चलते लोगों के मरने से दुख हुआ है। इस हादसे में अपने परिजनों को खोने वाले लोगों के साथ मेरी संवेदनाएं हैं। मैं घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।' इसके साथ ही पीएम मोदी ने कहा कि महाराष्ट्र में भारी बारिश के चलते पैदा हुए हालात की निगरानी की जा रही है और प्रभावितों को हरसंभव मदद दी जाएगी।

दूसरे विश्वयुद्ध जैसे न हो जाएं हालात, कोरोना के चलते ब्रिटेन में खाने के सामान की भी किल्लत

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिटेन में कोरोना थमने का नाम नहीं ले रहा है। लगातार बढ़ते केसेज से तमाम जरूरी सुविधाओं पर असर पड़ रहा है। वहीं बड़ी संख्या में कर्मचारियों के संक्रमित होने से यहां फूड चेन सप्लाई पर भी पड़ रहा है। आलम यह है कि कई सुपरमार्केट से जरूरी चीजों के गायब होने की खबरें आ रही हैं। डेली मेल ऑनलाइन वेबसाइट पर चल रही खबर के मुताबिक कई जगहों से लोगों ने सुपरमार्केट के खाली रैक की तस्वीरें भेजी हैं। इन तस्वीरों में दिख रहा है कि वहां दूध और अन्य जरूरी सामान उपलब्ध नहीं हैं। इस बीच ब्रिटिश सरकार भी हालात पर काबू पाने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। इसके तहत फूड सप्लाई से जुड़े कर्मचारियों के साथ कुछ अन्य विभागों के

कर्मचारियों के सेल्फ आइसोलेशन पर रोक लगाने तक के कदम उठाए जा रहे हैं। ऐसे कर्मचारियों की संख्या करीब 10 हजार है।

ब्रिटेन में चिकेन किंग के नाम से मशहूर रंजीत सिंह बोपारन ने सरकार को चेतावनी जारी की है। उन्होंने सरकार से कहा है कि या तो वो एक्शन ले, या फिर बदतर हालात का सामना करने के लिए तैयार रहे। रंजीत बोपारन ने कहाकि किसी को यह पता नहीं था कि यह खतरनाक समस्या इस तरह से एक साथ आ जाएगी। पैंडेमिक ने हालात को कठिन बना दिया है। बड़ी संख्या में कर्मचारी बीमार पड़ रहे हैं। वहीं कोरोना संक्रमितों के संपर्क में आने के बाद उन्हें क्वारंटाइन में रहना पड़ रहा है। इसके चलते हम चाहकर भी सही समय पर सामान नहीं पहुंचा पा रहे हैं। उन्होंने कहाकि चिकन और टर्की की सप्लाई पर सबसे ज्यादा संकट है। हम पूरी कोशिश कर रहे हैं, लेकिन हालात बहुत खराब है।

वहीं दूध उत्पादों के व्यापार निदेशक फिल लैंगस्ट्रो ने भी इस बात को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने कहाकि कोरोना के चलते बड़ी संख्या में लॉरी ड्राइवर बीमार पड़ चुके है। ऐसे में इस सेक्टर से जुड़े लोगों ने हाथ खड़े कर दिए है। फिल ने कहाकि आधे से ज्यादा डिलीवरी नहीं हो पा रही है। उन्होंने कहाकि इससे पहले ब्रेग्जिट के चलते हम पहले ही फूड सप्लाई के मामले में खराब हालत से जूझ रहे थे।

रहस्यमय बीमारी की चपेट में आ रहे हैं सीआईए के अफसर, टीम के मुखिया भी है हैरान

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में इन दिनों हवाना सिंड्रोम का खौफ छाया हुआ है। यहां पर 100 सीआईए अफसर और उनके परिवार के लोग हवाना सिंड्रोम से ग्रस्त बताए जा रहे हैं। अमेरिका में कुल करीब 200 लोग इस रहस्यमय बीमारी की चपेट में बताए जा रहे हैं। सीआईए के निदेशक विलियम बर्न्स ने गुरुवार को कहाकि इस बीमारी से ग्रस्त लोग सिरदर्द और थकान से जूझ रहे हैं। साल 2016 में क्यूबा स्थित अमेरिकन एंबेसी में अधिकारियों को इस बीमारी का पता चला था। तभी इसे इस बीमारी का नाम हवाना सिंड्रोम रख दिया गया है। इस बीमारी के शिकार लोगों को थकान, सिरदर्द और याद्दाश्त खो जाने की शिकायत रहती है।

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री का कश्मीर पर विवादास्पद बयान, कौन से विकल्प की कर रहे हैं बात?

इस्लामाबाद (एजेंसी)। कश्मीर मुद्दे पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान का विवादास्पद बयान दिया है। पाकिस्तान की घोषित नीति से कुछ अलग रुख अपनाते हुए इमरान ने शुक्रवार को कहा कि इस्लामाबाद कश्मीर की अवाम को यह फैसला लेने देगा कि वे पाकिस्तान के साथ आना चाहते हैं, या फिर एक 'स्वतंत्र देश' बनाना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि भारत का हमेशा यह कहना रहा है कि जम्मू-कश्मीर उसका अभिन्न हिस्सा था, है और रहेगा। नई दिल्ली ने इस्लामाबाद को कहा है कि जम्मू-कश्मीर से संबंधित मुद्दे उसके आंतरिक मामले हैं और भारत अपनी समस्याओं को सुलझाने में सक्षम है।

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में 25 जुलाई को होने वाले चुनाव से पहले तरार खाल इलाके में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए खान ने विपक्षी नेता के उन दावों को भी खारिज किया कि सरकार कश्मीर को पाकिस्तान का एक प्रांत बनाने

की योजना पर काम कर रही है। शुक्रवार को चुनाव प्रचार का अंतिम दिन था। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) की नेता मरियम नवाज ने 18 जुलाई को पीओके में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा था कश्मीर का दर्जा बदलने और इसे प्रांत बनाने का फैसला ले लिया गया है। खान ने इसे खारिज करते हुए कहा कि पता नहीं ये बातें (प्रांत बनाने के बारे में) कहां से आ जाती है। उन्होंने कहा कि एक दिन ऐसा आएगा जब कश्मीर के लोगों को संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों के अनुरूप अपने भविष्य का फैसला करने की इजाजत मिलेगी। उन्होंने भरोसा जताया कि उस दिन कश्मीर के लोग पाकिस्तान के साथ आने का फैसला लेंगे।

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के जनमत संग्रह के बाद उनकी सरकार एक और जनमत संग्रह करवाएगी जिसमें कश्मीर के लोगों के पास यह विकल्प होगा कि वे पाकिस्तान के साथ रहना चाहते हैं या फिर एक स्वतंत्र राष्ट्र चाहते हैं। कश्मीर पर पाकिस्तान की घोषित नीति के मुताबिक इस मुद्दे का समाधान संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव के अनुरूप जनमत संग्रह से निकाला जाना चाहिए।